राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 21 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-152 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चार गैर हिंदू कर्मचारियों को तिरुपति ट्रस्ट ने किया निलंबित

तिरुपति (एजेंसी)। श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने गैर हिंदू होने और अन्य धर्मों का पालन करने के आरोप में अपने चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। मंदिर समिति ने उप कार्यकारी अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) बी. एलिजर, बीआईआरआरडी अस्पताल की नर्स एस. रोजी, बीआईआरआरडी अस्पताल की ग्रेड-1 फार्मासिस्ट एम. प्रेमवती और एस.वी. आयुर्वेद फार्मेसी की कर्मी जी. असुंथा को निलंबित कर दिया। शनिवार को यहां जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि टीटीडी ने दूसरे धर्मों को मानने के आरोप में अपने चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। इस तरह अभी तक कुल पांच गैर हिंदू कर्मचारियों को यहां से सस्पेंड किया जा चुका है। यह कदम टीटीडी के विजिलेंस विभाग द्वारा पेश रिपोर्ट के बाद उठाया गया है। आधिकारिक मेमोज के मुताबिक कर्मचारियों ने आंध्र प्रदेश सिविल सर्विसेज (कंडक्ट) रूल्स, 1964 का उल्लंघन किया ऐसा माना जाता है कि इन कर्मचारियों ने संस्था के नियमों का उल्लंघन किया है और एक हिंदू धार्मिक संगठन का प्रतिनिधित्व तथा उसके लिए काम करते हुए अपने कर्तव्यों का गैर-जिम्मेदाराना ढंग से निर्वहन किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टीटीडी सतर्कता विभाग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद नियमों के अनुसार उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई और चार कर्मचारियों को तुरंत निलंबित कर दिया गया। बता दें कि टीटीडी ने इससे पहले एईओ ए राजशेखर को निलंबित कर दिया था क्योंकि उन्हें पुत्तूर के स्थानीय चर्च में नियमित रूप से पूजा करते पाया गया था। तिरुमला की अपनी हालिया यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने टीटीडी के वेतन-सूची से गैर-हिंदुओं को हटाने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की थी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान मीनाक्षी लेखी म्यूल से गिरीं, कमर में आई गंभीर चोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान गिर गईं जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। जानकारी के मुताबिक, तिब्बत के दारचिन क्षेत्र में यात्रा करते समय वे एक म्यूल (खच्चर) से गिर गईं, जिससे उनकी कमर में गंभीर चोट आई है। प्रारंभिक मेडिकल जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि चोट गहरी है और उन्हें तत्काल उपचार की आवश्यकता है। घटना के बाद लेखी को यात्रा बीच में ही छोड़नी पड़ी और उन्हें तुरंत भारत लाया गया। दरअसल जानकारी मिली है कि यात्रा करते हुए रविवार सुबह उन्होंने लिपुलेख बॉर्डर पार किया था और उत्तराखंड के गूंजी क्षेत्र में पहुंचीं थीं। चोटिल होने के कारण उन्हें सड़क मार्ग से धारचूला ले जाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि उच्च हिमालयी क्षेत्र में खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू संभव नहीं हो सका, इसलिए उन्हें जमीनी रास्ते से ही सुरक्षित स्थान तक लाने का इंतजाम किया गया। फिलहाल उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक रूप से कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पूर्व मंत्री मीनाक्षी लेखी की यह यात्रा धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही थी, लेकिन दुर्घटना के चलते यात्रा को बीच में ही रोक देना पड़ा। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की जा रही है।

अरुणाचल के नामसाई में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता, गांव से आईईडी बरामद

नामसाई (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। असम राइफल्स ने जिले के नांगटॉ गांव से एक आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामद किया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक (एसपी) सांगे थिनले ने रविवार को जानकारी दी। एसपी थिनले ने बताया कि यह बरामदगी प्योंग सर्कल के अंतर्गत आने वाले नांगटॉ गांव में नियमित तलाशी अभियान के दौरान शनिवार को हुई। असम राइफल्स ने जब यह संदिग्ध विस्फोटक देखा, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आईईडी पुराना है, लेकिन इसकी जांच अभी जारी है। थिनले ने बताया कि सुरक्षा बलों ने एहतियात के तौर पर इलाके को सील कर दिया है और बम निरोधक दस्ता जल्द ही इस विस्फोटक को निष्क्रिय कर देगा।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर सतर्कता

एसपी ने यह भी बताया कि 15 अगस्त को लेकर जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। स्वतंत्रता दिवस से पहले किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक से बचने के लिए सभी संवेदनशील इलाकों में गश्त और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। यह बरामदगी न केवल सुरक्षा बलों की मुस्तैदी और सतर्कता को दर्शाती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि अशांति फैलाने वाले तत्व अब भी सक्रिय हो सकते हैं। पुलिस और असम राइफल्स की टीमें मामले की हर पहलू से जांच कर रही हैं।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में बड़ी सफलता, मुख्य आरोपी तौशीफ कोलकाता से गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। चर्चित चंदन मिश्रा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुख्य आरोपी तौशीफ उर्फ बादशाह सहित कुल चार संदिग्धों को कोलकाता के आनंदपुर स्थित एक गेस्टहाउस से हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार ले जाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सभी आरोपी सीधे तौर पर पटना कांड से जुड़े हुए हैं या नहीं। बता दें कि 17 जुलाई को पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित पारस हॉस्पिटल में चंदन कुमार मिश्रा को गोली मार दी गई थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पटना पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, इनपुट और अन्य पहलुओं पर गहनता से जांच की गई। इसी क्रम में कोलकाता पुलिस और एसटीएफ के सहयोग से कोलकाता में छापेमारी कर मुख्य आरोपी तौशीफ उर्फ बादशाह को हिरासत में लिया गया। साथ ही, निशु खान और एक अन्य व्यक्ति को भी पकड़ा गया है। शुरुआती पूछताछ में यह बात सामने आई है कि हत्या की साजिश निशु खान के आवास पर रची गई थी और वारदात को अंजाम मुख्य रूप से तौशीफ ने दिया।

राष्ट्र सर्वोपरि है, पार्टी सिर्फ राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक माध्यम: थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद शशि थरूर ने हाल ही में कोच्चि में एक कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी असहमति और देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर खुलकर बात की। कार्यक्रम में एक एक छात्र द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में थरूर ने कहा कि उनकी पहली वफादारी पार्टी नहीं बल्कि देश की है। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है क्योंकि यह कांग्रेस के अंदर चल रही विवाद की गूंज है।

छात्र ने सवाल किया कि क्या वह अपनी पार्टी के साथ असहज महसूस करते हैं। इस पर थरूर ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी निष्ठा देश के प्रति है। राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है लेकिन देश की सुरक्षा और भलाई सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को अपने-अपने मतभेद हो सकते हैं। कोई ज्यादा पूंजीवाद का समर्थन करता है तो कोई समाजवाद का। कुछ लोग ज्यादा नियामक नियंत्रणों के पक्ष में होते हैं और कुछ इसके खिलाफ, लेकिन यह सब मतभेद होते हुए भी अंततः सभी दलों का उद्देश्य एक बेहतर, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाना होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ÷राष्ट्र सर्वोपरि है÷ और पार्टी सिर्फ राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक माध्यम है।

थरूर का यह बयान उस समय आया जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस के भीतर अंदर थे। थरूर ने इस ऑपरेशन और राष्ट्रीय सुरक्षा के मसलों पर केंद्र सरकार का समर्थन किया, जबकि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने सरकार के रुख पर सवाल उठाए हैं। इस पर पार्टी के अंदर तनाव बढ़ गया और थरूर की आलोचना होने लगी। इसके बावजूद थरूर ने अपना रुख मजबूत रखा।

थरूर ने कहा कि जब देश संकट में हो तो राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर देना चाहिए। उनकी यह बात सिर्फ कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि सभी राजनीतिक दलों के लिए थी। उन्होंने कहा कि भारत की संसद में 46 राजनीतिक दल हैं और कुछ मामलों पर सभी का एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश के हित में सभी दलों को साथ आना होगा ताकि सीमाएं सुरक्षित रहें और देश सुरक्षित रहे।

कांग्रेस नेता थरूर ने भारत के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू की एक प्रसिद्ध पंक्ति का उल्लेख किया- ÷अगर भारत मर गया तो कौन बचेगा।÷ उन्होंने कहा कि यह बात राजनीति में भी याद रखनी चाहिए। भारत पहले आएगा तभी सभी जीवित रह सकेंगे। थरूर ने इस बयान से संकेत दिया है कि देश का हित सबसे ऊपर होना चाहिए न कि किसी पार्टी या व्यक्तिगत राजनीति का।

थरूर के इस बयान के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के लिए ÷देश पहले÷ है लेकिन कुछ लोग मोदी को पहले रखते हैं। यह टिप्पणी थरूर द्वारा पीएम मोदी की प्रशंसा के बाद आई थी, जिससे पार्टी के अंदर मतभेद उभरने लगे।

थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने लिखा- उड़ने की इजाज़त मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं और आसमान किसी का नहीं। इस संदेश से उन्होंने अपनी स्वतंत्र सोच और फैसले लेने की आज़ादी पर जोर दिया।

अहमदाबाद विमान हादसा : उड़ान के दौरान बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी होने की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हुई एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 की जांच में अब कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। विमान का पिछला ब्लैक बॉक्स बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की छत से मिला था लेकिन उसमें थर्मल डैमेज इतना ज़्यादा था कि डेटा निकालना संभव नहीं हुआ। जबकि आगे वाला ब्लैक बॉक्स 16 जून को मलबे से बरामद हुआ और उसमें से 49 घंटे की उड़ान जानकारी और 6 उड़ानों का डेटा, साथ ही क्रैश के दो घंटे पहले की ऑडियो रिकॉर्डिंग निकाली जा सकी। बोइंग ड्रीमलाइनर विमान के मलबे की जांच कर रही टीम को विमान के पिछले हिस्से पूंछ (टेल सेक्शन) में सीमित इलेक्ट्रिक आग के संकेत मिले हैं। पूंछ के हिस्से को विमान दुर्घटना और ईंधन विस्फोट से अपेक्षाकृत कम नुकसान हुआ। इसमें कुछ इलेक्ट्रिक पार्ट्स में सीमित आग लगी, जिससे संकेत मिलता है कि उड़ान के दौरान बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी हो सकती है।

रिपोर्ट में जांच अधिकारियों के हवाले से कहा है कि टेल सेक्शन से बरामद किए गए सामनों को अहमदाबाद में सुरक्षित रखा गया है और इन्हीं के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि बिजली प्रणाली में कौन-सी तकनीकी गड़बड़ी हुई थी।हादसे में बचे इकलौते यात्री विश्वशकुमार रमेश ने बताया कि केबिन की लाइट बार-बार जा रही थी, जो बिजली सप्लाई में खराबी की ओर संकेत करता है। क्रैश के 72 घंटे बाद टेल सेक्शन से एक फ्लाइट अटेंडेंट का शव बरामद किया गया। वह आग में नहीं जली थीं, बल्कि सीट बेल्ट में जकड़े होने और टक्कर के प्रभाव से उनकी मौत हुई थी। उनकी पहचान साड़ी के बचे टुकड़ों से की गई, जबकि शरीर ज्यादा समय बीतने और अग्निशमन रसायनों के कारण बुरी तरह सड़ चुका था। ब्लैक बॉक्स डेटा से पता चला कि दोनों इंजन में कुछ सेकंड में ही ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई थी।

कर्नाटक कांग्रेस में नया बवाल: डिप्टी सीएम का नाम सुनते ही भड़के सिद्दारमैया, मंच छोड़कर लौटे शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी कलह सतह पर आ गई है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच की कथित खींचतान मंगलुरु में आयोजित साधना समवेश कार्यक्रम में सार्वजनिक हो गई। मंच पर सिद्दारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे, लेकिन तभी जब एक कांग्रेस नेता ने सिद्दारमैया से शिवकुमार का ज़िक्र करने को कहा, तो उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी— डीके शिवकुमार यहां नहीं हैं, वे बेंगलुरु चले गए हैं, हम केवल मौजूद लोगों का स्वागत कर सकते हैं।

हैरानी की बात यह रही कि शिवकुमार कार्यक्रम में कुछ समय पहले तक मौजूद थे और अपना भाषण देने के बाद किसी आपात स्थिति का हवाला देते हुए बेंगलुरु लौट गए। इस घटनाक्रम ने दोनों नेताओं के बीच गहराते मतभेदों और सत्ता संघर्ष की चर्चाओं को फिर से तेज कर दिया है। यहां बताते चलें कि 2023 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद सिद्दारमैया को मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम तथा पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा रही कि दोनों नेताओं के बीच सत्ता साझा करने का एक अनौपचारिक समझौता हुआ है, जिसके तहत ढाई साल बाद शिवकुमार को सीएम पद सौंपा जा सकता है। यह समझौता कभी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुआ, लेकिन शिवकुमार के समर्थकों की बयानबाज़ी से यह साफ होता जा रहा है कि असंतोष बढ़ रहा है।

भाजपा ने साधा निशाना तो कांग्रेस ने बताया गलतफहमी

विपक्षी दल भाजपा ने इस घटना को लेकर कांग्रेस की आंतरिक अस्थिरता का आरोप लगाया है। वहीं कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इसे महज गलतफहमी बता कर पल्ला झाड़ लिया है। पार्टी हाईकमान मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने फिलहाल इस विवाद पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही नेताओं के बीच एक सुलह बैठक आयोजित की जा सकती है।

सीएम योगी पहुंचे दिल्ली, तीन घंटे में तीन बड़े नेताओं से की मुलाकात

यह दौरा कहीं यूपी में संगठन और सरकार में बड़े बदलाव की आहत तो नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के रविवार को अचानक दिल्ली पहुंचे और वहां पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उनकी इन मुलाकातों ने राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। इनमें सबसे लंबी बातचीत जेपी नड्डा के साथ करीब एक घंटे तक चली, जिससे कई राजनीतिक संकेत निकाले जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आधिकारिक तौर पर बताया गया कि पीएम मोदी से योगी की मुलाकात जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर थी, जो अक्टूबर में होना है, लेकिन यह मुलाकातें सिर्फ शिष्टाचार मानी जाती, अगर इससे पहले दोनों डिप्टी सीएम की दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व से अलग-अलग मुलाकातें न हुई होतीं। इससे साफ है कि मुलाकातें सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि इसके पीछे गंभीर संगठनात्मक और राजनीतिक कारण हैं। यूपी में बीजेपी के नए

प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति अब अधर में है। यह पद रणनीतिक रूप से बेहद अहम है क्योंकि 2027 में यूपी विधानसभा चुनाव और उससे पहले कई स्थानीय चुनाव हैं। साथ ही संगठन के पुनर्गठन की चर्चा भी तेज है, जिससे चुनावी तैयारी को धार दी जा सके। बीजेपी हाईकमान मंत्रिमंडल में बदलाव को लेकर भी विचार कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक कुछ मंत्रियों के प्रदर्शन से पार्टी संतुष्ट नहीं है। साथ ही, कुछ पर भ्रष्टाचार या कार्यशैली को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। जेपी नड्डा से मुलाकात में योगी ने संभावित नए चेहरों और मौजूदा मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड पर चर्चा की ऐसा माना जा रहा है।

बता दें अनुप्रिया पटेल, संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', जैसे नेताओं की नाराजगी अब खुलकर सामने आ रही है। अफसरशाही से लेकर संगठन में उपेक्षा तक, कई सहयोगी मीडिया में बयानबाजी कर चुके हैं। वहीं, ओबीसी और दलित वोट बैंक में बीजेपी की पकड़ कमजोर पड़ी है, खासकर 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद। इस पृष्ठभूमि में शीर्ष नेतृत्व के साथ यह चर्चा जरूरी हो गई थी कि इन नाराज वर्गों को कैसे फिर से जोड़ा जाए।

दिल्ली दौरे में सीएम योगी के हाथ में एक फाइल नजर आई, जिसे वे पीएम मोदी से मुलाकात के समय हाथ में लिए थे। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसमें कई मुद्दों जैसे प्रशासनिक सुधार, बजट, परियोजनाओं की मंजूरी, सहयोगी दलों की रिपोर्ट आदि शामिल हो सकती है। योगी का यह दौरा संकेत दे रहा है कि यूपी में संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर बड़े बदलाव हो सकते हैं। हालांकि ये बदलाव कब और कैसे होंगे, इस पर पार्टी चुप है, लेकिन इतना तय है कि बीजेपी अब 2027 की तैयारी में कोई ढील नहीं बरतना चाहती है।

माइक्रोग्रैविटी में हिलना-डुलना और स्टेशन को समझना मुश्किल था फिर सीखा

मिशन पूरा कर आईएसएस से लौटे शुभांशु शुक्ला ने वीडियो किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से लौटने के बाद एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे माइक्रोग्रैविटी में तैरते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में शुक्ला बिना हिले पूरी तरह स्थिर रहने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि आईएसएस पहुंचने के बाद वे टाइमलाइन का पालन करने और अपने टास्क और प्रयोगों को पूरा करने में लगे थे। शुरू में माइक्रोग्रैविटी में हिलना-डुलना और स्टेशन को समझना मुश्किल था, लेकिन कुछ दिनों बाद उन्होंने अपने शरीर को नियंत्रित करना सीख लिया। हालांकि, पूरी तरह स्थिर रहना उनके लिए चुनौती बना रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष में छोटी सी भी हलचल आपके शरीर को हिला देती है। ऐसे में बिल्कुल स्थिर रहने के लिए खास कौशल की जरूरत होती है। उन्होंने इसे मन की शांति से जोड़ते हुए कहा कि हमें कभी-कभी रुकना और शांत रहना भी जरूरी है। शुक्ला ने सुझाव दिया कि तेजी से आगे बढ़ने के लिए कभी-

कभी धीमा होना जरूरी होता है। चाहे गुरुत्वाकर्षण हो या न हो, स्थिर रहना एक बड़ी चुनौती है। बता दें शुभांशु स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल ग्रेस में सवार होकर धरती पर लौटे, जो प्रशांत महासागर में उतरा करीब तीन सप्ताह के एक्सियॉम-4 मिशन में शुक्ला और उनकी टीम ने 31 देशों के 60 से ज्यादा प्रयोग किए, जिनमें भारत के इसरो के सात प्रयोग भी शामिल थे। शुक्ला की वापसी भारत के कॉमर्शियल अंतरिक्ष उड़ान में बढ़ते योगदान का अहम पड़ाव है। इस बीच इसरो ने बताया कि शुभांशु शुक्ला के मेडिकल टेस्ट से संकेत मिला कि उनकी हालत स्थिर है और चिंता की कोई बात नहीं है। अंतरिक्ष यान से बाहर निकलते ही रिकवरी शिप पर अंतरिक्ष यात्रियों की शुरुआती स्वास्थ्य जांच की गई। बाद में अंतरिक्ष यात्रियों को आगे की मेडिकल जांच के लिए रिकवरी शिप पर ले जाया गया।

राज संग गठबंधन पर बेबाक बोले उद्धव ठाकरे- हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ठाकरे बंधुओं का मेल सुर्खियों में है। करीब दो दशकों तक अलग राहों पर चले उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे, अब साथ आते दिख रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एक बातचीत में राज ठाकरे के साथ संभावित गठबंधन और राजनीतिक समीकरणों को लेकर खुलकर बात की।

बातचीत के दौरान उद्धव ने दो टूक सवाल किया, हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है? यह सवाल पूछकर उद्धव ने सीधे तौर पर उन राजनीतिक हलकों पर निशाना साधा, जो ठाकरे भाइयों के पुनर्मिलन से असहज महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को इस मिलन से ÷पेट में दर्द÷ हो रहा है, तो यह उनकी समस्या है, वह इसे नजरअंदाज करते हैं। उद्धव ने बताया कि राज ठाकरे के साथ दोबारा जुड़ने से मराठी समाज ही नहीं, बल्कि मुस्लिम, गुजराती और हिंदी भाषी समुदायों ने भी खुशी जताई है। उन्होंने इसे छोटी बात नहीं, बहुत बड़ी बात बताया और कहा कि यह सांस्कृतिक और सामाजिक एकता की ओर एक मजबूत

संकेत है।

राजनीति नहीं, अस्मिता पहले

उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता राजनीति नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता और सांस्कृतिक एकजुटता है। उन्होंने साफ किया कि वो महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हितों के लिए जो जरूरी होगा, वह करेंगे।

महाविकास अघाड़ी और मनसे समीकरण

मनसे के साथ संभावित गठबंधन को लेकर पूछे गए सवालों पर उद्धव ने कहा कि कांग्रेस और अन्य घटक दलों को स्थानीय स्तर पर स्वतंत्र फैसले लेने का अधिकार है। उन्होंने माना कि मुंबई की राजनीति महाराष्ट्र से अलग नहीं है और हर नगर निकाय अपने स्तर पर निर्णय लेगा।

क्या बदलेगा समीकरण?

राज और उद्धव का साथ आना, न केवल मुंबई महानगरपालिका चुनावों पर असर डालेगा, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर समीकरणों को भी झटका दे सकता है। आने वाले दिनों में यह गठबंधन महाराष्ट्र की राजनीति में नए ध्रुवीकरण की नींव रख सकता है।

चीन सीमा के पास हजारों फीट की ऊंचाई भारत तैयार कर रहा हवाईपट्टी

न्योमा एयरबेस से राफेल भरेंगे उड़ान, लद्दाख में होगा सेना का चौथा ठिकाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के साथ ही भारत के आसपास का सामरिक माहौल लगातार बदल रहा है। बांग्लादेश लगातार चीन को निवेश के लिए अपने यहां आमंत्रित कर रहा है। इन सबके बीच चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों को अंजाम देने में जुटा है। लेह-लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक चीन बेतुके दावे करता है। चीन सीमाई इलाकों में लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रहा है, ऐसे में भारत भी पीछे नहीं है। अब नई दिल्ली ने भी एलएसी से लगे इलाकों में मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। चीन बॉर्डर से लगे क्षेत्र में चौथा एयरस्ट्रिप यानी हवाईपट्टी जल्द ही तैयार हो जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अक्टूबर महीने से यह एयरस्ट्रिप ऑपरेशन के लिए तैयार हो जाएगा। उसके बाद यहां राफेल से लेकर सुखोई 30केआई जैसे मॉडर्न फाइटर जेट लैंड कर सकेंगे। कुछ दिनों पहले ही लद्दाख में आकाश प्राइम मिसाइल डिफेंस सिस्टम की टेस्टिंग की गई थी। अब न्योमा एयरबेस को लेकर नया अपडेट सामने आया है। चीन से सटे सीमावर्ती इलाकों में सैन्य बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर भारत रणनीतिक दृष्टिकोण से अहम लद्दाख के न्योमा में बन रहे एयरबेस का काम इस साल अक्टूबर तक पूरा कर लेगा जबकि अगले पांच सालों में हिमालयी क्षेत्र में स्थित इंडियन आर्मी की सभी अग्रिम चौकियों तक सड़क कनेक्टिविटी पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने बताया कि पूर्वी लद्दाख के न्योमा में एयरबेस पर पिछले साल कच्ची धूलभरी पट्टी को पक्की रनवे में बदला था। अब अक्टूबर 2025 तक बाकी का काम पूरा हो जाएगा। यह एयरबेस लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल एलएसी से महज 30 किमी दूर स्थित है और समुद्र तल से करीब 13,700 फीट की ऊंचाई पर है, जहां सर्दियों में तापमान -20 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। ऐसे में यहां का पूरा निर्माण कार्य अत्यधिक ठंडे मौसम के मुताबिक किया जा रहा है।

न्योमा एयरबेस से विमान टेकऑफ और लैंडिंग के साथ ही मामूली मरम्मत कार्य भी किए जा सकेंगे। इसके अलावा यहां भारतीय वायुसेना के जवानों के लिए रडार स्टेशन और ठहरने की सुविधाएं भी की जा रही है। इस एयरबेस के सक्रिय होने के बाद लद्दाख में भारतीय वायुसेना का यह चौथा सक्रिय ठिकाना होगा। वर्तमान में लेह, कारगिल और सियाचिन के लिए आधार बने थोइस में पूर्ण हवाई पट्टियां हैं, जबकि दौलत बेग ओल्डी जैसे क्षेत्रों में केवल विशेष अभियानों के लिए सीमित सुविधाएं मौजूद हैं। बीआरओ के महानिदेशक के मुताबिक आने वाले पांच सालों में ऐसा कोई अग्रिम इलाका नहीं बचेगा जहां तक सड़क से सेना को तैनात न किया जा सके। मौजूदा समय में लद्दाख और उत्तर-पूर्व के कई दुर्गम क्षेत्रों में सेना के जवानों को केवल पैदल चलकर पहुंचना होता है, लेकिन अब ऐसे सभी फॉरवर्ड पोस्ट को सड़क नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल श्रीनिवासन ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश में बीआरओ दो प्रमुख हाईवे बना रही है, जो राज्य की सभी घाटियों को आपस में जोड़ देंगे। यहां विषम भूगोल और भारी बारिश से निर्माण कार्य चुनौतीपूर्ण है। इसके साथ ही शिंकुन ला टनल पर भी तेजी से काम चल रहा है। यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी और हिमाचल प्रदेश को लद्दाख से सालभर जोड़ने वाली तीसरी मुख्य सड़क होगी। रणनीतिक रूप से यह सुरंग भारतीय सेना के लिए अहम होगी, क्योंकि यह मौजूदा जोजिला और रोहतांग मार्गों पर मौसमजनित निर्भरता को कम करेगी।

बता दें इस पूरी योजना को चीन के साथ मौजूदा सीमा तनाव के परिप्रेक्ष्य में

देखा जा रहा है। जहां चीन ने एलएसी के उस पार तेज गति से सड़क और हवाई बुनियादी ढांचे का विकास किया है, भारत अब उसी रफ्तार से इन मोर्चों पर प्रतिस्पर्धा करता दिख रहा है। न्योमा एयरबेस और हिमालयी चौकियों तक संपर्क बढ़ाने की यह कवायद भारत की सामरिक ताकत को न केवल मजबूती देगी, बल्कि सीमाई क्षेत्रों के विकास को भी गति देगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सफल रहा डॉ. मोहन यादव का स्पेन दौरा, एमपी बनेगा निवेश और रोजगार का ग्लोबल हब

बार्सिलोना में कई महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने डेटा सेंटर कूलिंग तकनीक में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनी सबमर के मुख्यालय का दौरा किया और मध्यप्रदेश में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए संभावित निवेश और साझेदारी पर चर्चा की। स्पेन यात्रा में सबमर के साथ मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम का एक समझौता हुआ जिसके तहत टिकाऊ डेटा सेंटर और इमर्शन कूलिंग तकनीक पर सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

(लेखक-हर्षवर्धन पान्डे)

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का हालिया स्पेन दौरा राज्य के आर्थिक और तकनीकी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह दौरा केवल एक अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक यात्रा नहीं था, बल्कि मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश, नवाचार और तकनीकी सहयोग के मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करने का एक सशक्त प्रयास भी था। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इन्वेस्टर्स फ्रेंडली नीतियों के चलते आज एमपी विदेशी निवेशकों के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने दौरे में स्पेन के उद्योगपतियों और निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। स्पेन दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को वैश्विक मंच पर एक उभरते हुए निवेश-अनुकूल राज्य के रूप में प्रस्तुत किया।

डॉ. मोहन यादव ने बार्सिलोना और मैड्रिड जैसे प्रमुख स्पेनिश शहरों का दौरा किया और वहां की विभिन्न औद्योगिक, तकनीकी और नवाचार केंद्रित संस्थाओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश संभावनाओं, श्रमशक्ति, संसाधनों और सरकार की इन्वेस्टर्स फ्रैंडली नीतियों को प्रस्तुत करते हुए विदेशी निवेशकों को राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया।मध्यप्रदेश को स्पेन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 卐 इन्वेस्ट इन एमपी 卐 पहल के तहत वैश्विक निवेश मंच पर बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किया। डॉ. मोहन यादव ने बार्सिलोना और मैड्रिड जैसे प्रमुख स्पेनिश शहरों का दौरा किया और वहां की विभिन्न औद्योगिक, तकनीकी और नवाचार केंद्रित संस्थाओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश संभावनाओं, श्रमशक्ति, संसाधनों और सरकार की नीतियों को प्रस्तुत करते हुए विदेशी निवेशकों को राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। मध्यप्रदेश को एक ईको फ्रेंडली टेक्सटाइल हब के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रस्तुत किया गया। पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क की स्पेन के निवेशकों के बीच जबरदस्त ब्रांडिंग की गई जहाँ निवेश की संभावनाओं पर सीएम का पूरा जोर रहा। मैड्रिड में आयोजित इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश बिजनेस फोरम में मुख्यमंत्री ने निवेशकों को संबोधित किया। उन्होंने मध्य प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, निवेश-अनुकूल नीतियों और लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइलऔर नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने भारत और स्पेन के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समानताओं का उल्लेख करते हुए दोनों देशों को भाई-भाई के रूप में वर्णित किया। उन्होंने स्पेन के साथ भारत के 9.32 बिलियन डॉलर के व्यापारिक संबंधों को रेखांकित किया और इसे और मजबूत करने की संभावनाओं पर जोर दिया। स्पेन की अग्रणी कंपनियों और संस्थानों के साथ मुख्यमंत्री ने कई समझौतों और प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया। विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट सिटी विकास, स्वच्छ जल प्रबंधन, एग्रीटेक और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक बातचीत हुई। फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, हरित ऊर्जा, खनन सहित कई क्षेत्रों में निवेश के नए द्वार मुख्यमंत्री डॉ.यादव के स्पेन दौरे ने खोले हैं।

बार्सिलोना में कई महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने डेटा सेंटर कूलिंग तकनीक में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनी सबमर के मुख्यालय का दौरा किया और मध्यप्रदेश में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए संभावित निवेश और साझेदारी पर चर्चा की। स्पेन यात्रा में सबमर के साथ मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम का एक समझौता हुआ जिसके तहत टिकाऊ डेटा सेंटर और इमर्शन कूलिंग तकनीक पर सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। यह मध्यप्रदेश को एआई और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।इसके अलावा विश्व प्रसिद्ध परिधान कंपनी इन्डिटेक्स के साथ टेक्सटाइल सेक्टर में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। रॉका ग्रुप और हेलोटेक्स ग्रुप जैसी नामी गिरामी कंपनियों के साथ भी कई बैठकें हुई जिनमें टेक्सटाइल, सेनेटरीवेयर और टिकाऊ सड़क निर्माण तकनीक जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाशी गई। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने स्पेन के निवेशकों को मध्य प्रदेश की 18 औद्योगिक नीतियों और सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं से अवगत कराया जो इसे निवेश के लिए आकर्षक बनाती हैं।विश्व की अग्रणी टेक्सटाइल मशीनरी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक उच्च स्तरीय राउंड टेबल बैठक की। बैठक ने मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने और यूरोपीय टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बैठक में यूरोपीय टेक्सटाइल मशीनरी कंपनियों को मध्यप्रदेश में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर आमंत्रित किया गया। मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग हब की स्थापना से लेकर भारतीय और यूरोपीय कंपनियों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने हुए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और नॉलेज एक्सचेंज की संभावनाओं पर गहन मंथन हुआ ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बार्सिलोना स्थित फीरा दे बार्सिलोना मोंटजुइक मेला परिसर का भी दौरा किया। 1932 में स्थापित यह केंद्र बार्सिलोना के ऐतिहासिक मोंटजुइक क्षेत्र में स्थित है, जो सांस्कृतिक और स्थापत्य कला के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह यूरोप के सबसे बड़े व्यापार मेलों में से एक है। यहां उन्होंने स्मार्ट सिटी मॉडल को समझा और मध्यप्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेश सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के इस दौरे का मुख्य मकसद स्पेन के स्मार्ट सिटी मॉडल, एनवायरमेंटल मैनेजमेंट, अर्बन मोबिलिटी और इनोवेशन सिस्टम का अवलोकन करना था, जिससे मध्यप्रदेश में भी विकास को तेज गति दी जा सके।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 250 एकड़ में फैले विशाल कैंपस मर्काबारना के फल-सब्जी बाजार का भी दौरा किया और कैटेलोनिया के विदेश मंत्री जैम डच गुइलोट के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने कहा कि यहां फलों और सब्जियों की क्वालिटी, पैकिंग, प्रोसेसिंग और वितरण की आधुनिक व्यवस्था किसानों के लिए अनुकरणीय मॉडल है। मध्यप्रदेश में फलों का उत्पादन बढ़ रहा है। ऐसे में इस तरह के बाजार मॉडल से राज्य के किसानों को लाभ मिल सकता है । मुख्यमंत्री मोहन यादव के स्पेन दौरे के दौरान सबमर टेक्नोलॉजीज ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ एमओयू साइन किया। इस समझौते का उद्देश्य प्रदेश में टिकाऊ डेटा सेंटर स्थापित करना और निवेश को बढ़ावा देना है। सबमर कंपनी इमर्शन कूलिंग सॉल्यूशन और ग्रीन डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान केंद्रित करेगी जिससे मध्यप्रदेश के विकास को नई दिशा मिलेगी।

स्पेन की सोलर और विंड एनर्जी कंपनियों ने मध्यप्रदेश में उत्पादन इकाइयां लगाने में रुचि दिखाई।बार्सिलोना के तकनीकी स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर्स के साथ साझा शोध और स्टार्टअप सहयोग की पहल की गई। स्पेन की पर्यटन कंपनियों ने मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को वैश्विक मंच पर प्रमोट करने में रुचि दिखाई।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्पेन दौरे से न केवल राज्य में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि इससे युवाओं के लिए उच्च तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। मोहन सरकार की मंशा है कि स्पेन के साथ मिलकर स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम्स की शुरुआत की जाए ताकि युवा वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित हो सकें। इस दौरे से मध्यप्रदेश और स्पेन के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सहयोग की संभावनाओं को बल मिला। विश्वविद्यालय स्तर पर छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान, शोध परियोजनाएं और भाषाई अध्ययन कार्यक्रमों की अनगिनत संभावनाएं इस दौरे में तलाशी गई। निवेश प्रस्तावों के माध्यम से नए उद्योगों की स्थापना से हजारों युवाओं को मध्यप्रदेश में रोजगार मिलने की संभावना जताई जा रही है।

ला -लीगा (स्पेनिश फुटबॉल लीग) के साथ साझेदारी एक बड़ी पहल है जिससे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों का प्रशिक्षण, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोज़र बढ़ेगा। स्पेन फिल्म कमीशन के साथ फिल्म निर्माण, स्किलिंग, को प्रोडक्शन, फेस्टिवल एक्सचेंज पर भी कई समझौते हुए हैं।इसके अतिरिक्त, स्पेन फिल्म आयोग और स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डिजाइन फर्म 'पॉपुलस' के साथ बैठकों में फिल्म शूटिंग और आधुनिक खेल अधोसंरचना विकास पर भी गंभीर विचार-विमर्श हुआ।

संपादकीय

नियामक एजेंसियों की सख्ती से ही अंकुश

विभिन्न देशों द्वारा आतंकवादियों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष व परोक्ष मदद पर नजर रखने वाली वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था यानी एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट चौंकाने वाली है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह सनसनीखेज बात उजागर हुई है कि आतंकवादी वित्तीय संसाधन जुटाने व खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में विस्फोटक पदार्थ का एक भाग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदा गया था। निश्चित रूप से जिस तेजी से आतंक का नेटवर्क ऑनलाइन बाजार का फायदा उठा रहा है, वह कानून की नियामक एजेंसियों के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। बताया जा रहा है कि आतंकवादी इंटरनेट के जरिये विस्फोटक बनाने की तरकीब भी सीख रहे हैं। इंटरनेट से बम बनाने की तकनीक सीखने की खबरों के बीच हमारे नीति-नियंताओं को इस पर अंकुश लगाने की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंकवादियों के लिए मददगार सामान पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इससे पहले एफएटीएफ ने संकेत दिए थे कि पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान आतंकवादियों को न केवल पैसा व हथियार दे रहे हैं बल्कि उन्हें ट्रेनिंग देने में भी मदद की जा रही है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि आतंकी मंसूबों को पूरा करने के लिये आतंकवादी ऑनलाइन सेवाओं के जरिये हथियार, रसायन और थ्री डी-प्रिंटिंग सामग्री भी खरीद रहे हैं। यह विडंबना ही है कि आम नागरिकों के जीवन को सरल-सुविधाजनक बनाने के लिये जिन ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत हुई थी, वह अब आतंकवादियों की मदद का साधन बन गई है। विश्व के आतंकवादी संगठन आधुनिक तकनीक के जरिये न केवल अपने मंसूबों को पूरा कर रहे हैं बल्कि पुलिस व कानून से बचने में इंटरनेट उनका मददगार बन गया है। जिसमें आतंक की पाठशाला चलाने वाली सरकारें भी सहायक बनी हैं। विगत के कुछ वर्षों में हुए कुछ बड़े हमलों की जांच में प्रमाणिक रूप से इस बात का खुलासा हुआ है कि अब आतंकी हमलों के लिये खतरनाक ढंग से ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किया गया है। यह विडंबना ही है कि अपराधी व आतंकवादी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपराध नियंत्रण के लिये चलाये जा रहे अभियानों को धता बताकर अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने लगे हैं। जिन ऑनलाइन सेवाओं से उपभोक्ताओं की सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा था, उस व्यवस्था के छिद्रों से अपराधियों ने अपनी सुगम राह तलाश ली है। जिस पर सख्त निगाह रखना सरकारों का प्राथमिक दायित्व बनता है। यदि समय रहते इस दिशा में सख्त कदम न उठाये गए तो यह व्यवस्था आतंकवादियों के खतरनाक अभियानों के लिये सुरक्षित रास्ता बन जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को उन सरकारों पर भी दबाव डालना चाहिए जो आतंकी संगठनों का वित्तपोषण करते हैं। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि दुनिया के सभी देश मिलकर इंटरनेट से वे सामग्री हटवाएं जिसका उपयोग आतंकवादी घातक हथियार व बम बनाने में करते हैं। वहीं ऑनलाइन सेवाएं देने वाले प्लेटफॉर्मों पर भी दबाव बनाया जाना चाहिए कि आतंकी हमलों में मददगार सामग्री की डिलीवरी न करें। आज भारत समेत कई शांतिप्रिय देश आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक मुहिम चला रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जरूरी है कि अपनी सुविधा के अनुसार आतंकवाद की परिभाषा तय करने वाले देशों को बेनकाब किया जाए।

आदिवासी महिलाओं का संपत्ति पर अधिकार का ऐतिहासिक फैसला

(लेखक- राज कुमार सिन्हा)

गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि लिंग के आधार पर आदिवासी महिलाओं को उत्तराधिकार के अधिकार से वंचित करना असंवैधानिक है और पैतृक संपत्ति पर उनके समान अधिकार की पुष्टि की है। फैसले में कहा गया है किसी आदिवासी महिला या उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को केवल लिंग के आधार पर पैतृक संपत्ति में हिस्सा देने से इनकार करना अनुचित और असंवैधानिक दोनों है। इस फैसले ने आदिवासी समुदायों में महिलाओं के समान उत्तराधिकार अधिकारों की पुष्टि की है। इस फैसले ने लंबे समय से चली आ रही धारणा को पलट दिया कि ऐसे अधिकारों को प्रतिबंधित करने वाले रीति-रिवाजों को तब तक अस्तित्व में माना जाना चाहिए जब तक कि अन्यथा साबित न हो जाए।हालांकि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम (एचएसए), 1956 अनुसूचित जनजातियों (एसटी) पर लागू नहीं होता, फिर भी अदालत ने स्पष्ट किया कि इस अपवाद का यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता है कि आदिवासी महिलाएं पैतृक संपत्ति की उत्तराधिकारी नहीं हैं। अदालत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जब तक कोई विशिष्ट प्रथागत प्रतिबंध सिद्ध न हो जाए, समानता कायम रहनी चाहिए।न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह फैसला छत्तीसगढ़ की एक अनुसूचित जनजाति की महिला के कानूनी उत्तराधिकारियों से जुड़े एक मामले में सुनाया, जिसने अपने नाना की संपत्ति में हिस्सा मांगा था। उनके दावे का परिवार के पुरुष सदस्यों ने विरोध किया और तर्क दिया कि आदिवासी रीति-रिवाज महिलाओं को उत्तराधिकार से वंचित करते हैं। जबकि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट और नीचली आदालतों से याचिका खारिज कर दिया गया था। इस फैसले ने आदिवासी समुदायों में महिलाओं के समान उत्तराधिकार अधिकारों की पुष्टि की है। इस फैसले ने लंबे समय से चली आ रही धारणा को पलट दिया है कि ऐसे अधिकारों को प्रतिबंधित करने वाले रीति-रिवाजों को तब तक अस्तित्व में माना जाना चाहिए जब तक कि अन्यथा साबित न हो जाए।

हाईकोर्ट और निचली अदालतों के निष्कर्षों को पलटते हुए, उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालतों के दृष्टिकोण की आलोचना की, जिसमें महिलाओं को उत्तराधिकार की अनुमति देने वाली प्रथा को साबित करने की आवश्यकता बताई गई थी।

पीठ ने कहा कि महिलाओं, जिनमें मुकदमे में शामिल महिलाएं भी शामिल हैं, को उत्तराधिकार से वंचित करना अनुचित और भेदभावपूर्ण दोनों है। न्यायालय ने आगे कहा कि ज़िम्मेदारी किसी भी मौजूदा प्रथा को साबित करने की है जो पैतृक संपत्ति पर उनके अधिकार को प्रतिबंधित करती है।पीठ ने पहले के फैसलों को खारिज करते हुए कहा कि हमारा दृढ़ मत है कि न्याय, समानता और अच्छे विवेक के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, संविधान के अनुच्छेद 14 के व्यापक प्रभाव के साथ, अपीलकर्ता-वादी, संपत्ति में अपने समान हिस्से के हकदार हैं। संविधान का अनुच्छेद 14 कानून के सामने समानता की गारंटी देता है, जबकि अनुच्छेद 15 धर्म,जाति, लिंग, नस्ल और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है।

यह फैसला व्यापक महत्व रखता है क्योंकि यह आदिवासी समुदायों में लैंगिक न्याय के बारे में चल रही बहस पर पुनर्विचार करता है और उसे और पुष्ट करता है, खासकर संहिताबद्ध व्यक्तिगत कानूनों के अभाव में। हालांकि एचएसए, धारा 2(2) के तहत, अनुसूचित जनजाति के सदस्यों को इसके दायरे से स्पष्ट रूप से बाहर रखता है, जब तक कि केंद्र सरकार अन्यथा अधिसूचित न करे, सर्वोच्च न्यायालय ने अब स्पष्ट किया है कि इस तरह की वैधानिक चुप्पी संस्थागत असमानता का आधार नहीं बन सकती।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ ने 2022 में कमला नेती बनाम विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी के केस में आदिवासी महिलाओं के संपत्ति अधिकारों को लेकर एक अहम फैसला सुनाया। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 में आवश्यक संशोधन करके आदिवासी महिलाओं को भी संपत्ति में समान अधिकार प्रदान किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट के इस मत से यह स्पष्ट है कि कोर्ट आदिवासी महिलाओं को पुरुषों के बराबर संपत्ति पर अधिकार देना चाहता है।

ज्ञात हो कि दिसंबर 2024 के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आदिवासी महिलाओं को समान उत्तराधिकार का अधिकार देने से परहेज किया था।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर टिप्पणी देते हुए भारत जन आंदोलन के विजय भाई ने कहा कि परम्परा एवं मौलिक अधिकार (संविधान का मूल ढांचा तत्व) के बीच को व्याख्या करते हुए न्यायमूर्ति ने मौलिक अधिकार को प्राथमिकता दी है।यह भी समझना होगा कि कोई भी परम्परा मौलिक अधिकार के विरुद्ध जाता है तो वो परम्परा खारिज हो जाता है। इसलिए आदिवासी परम्परा की जब भी बात करेंगे तो हमारी समतामूलक और सामूहिकता तत्वों के साथ - साथ सबसे पहले प्रत्यक्ष लोकतंत्र को ही प्रधानता देना होगा। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राज कुमार सिन्हा ने कहा कि आदिवासी समुदाय पर संविधान द्वारा प्रदत अनुच्छेद 13 की दुहाई देते हुए रूढ़ी प्रथा के नाम पर अपनी महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक आज़ादी का हनन करने का आरोप भी लगता रहा है। जबकि आदिवासी समुदाय में दूसरे समुदायों से ज्यादा खुलापन है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय, व्याप्त अंधकार में एक किरण की तरह उभरता है, जो आदिवासी समुदाय में हलचल पैदा करेगा।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े हैं)

स्वीकारना, सीखना और उभरना - यही जीवन यात्रा

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

जीवन एक सतत यात्रा है, जिसमें हम निरंतर अनुभवों से गुजरते हैं - सुख-दुख, सफलता-विफलता, प्रेम-वियोग, आशा-निराशा। इन सभी अनुभवों का सार यदि किसी एक वाक्य में समेटा जाए, तो वह होगा - 卐स्वीकारना, सीखना और उभरना - यही जीवन है।卐

हर परिस्थिति को स्वीकारना जीवन की पहली कला है। जब हम किसी दुखद घटना, असफलता या कठिन परिस्थिति का सामना करते हैं, तो हम दो रास्तों में से एक चुन सकते हैं - या तो उसे नकार कर मानसिक रूप से टूट जाएँ, या उसे पूरी ईमानदारी से स्वीकार कर आगे बढ़ें। स्वीकार करने का अर्थ हार मानना नहीं है, बल्कि यह समझना है कि परिस्थिति भले ही हमारे वश में न हो, लेकिन उस पर हमारी प्रतिक्रिया जरूर हमारे हाथ में है।

उदाहरण के लिए, जब हम किसी परीक्षा में असफल होते हैं, तो उसे स्वीकार करके ही हम आगे की योजना बना सकते हैं। जो व्यक्ति असफलता को स्वीकार नहीं करता, वह उसी में उलझा रह जाता है। स्वीकार करने के बाद अगला कदम है - सीखना। जीवन हर दिन हमें कुछ न कुछ सिखाता है - चाहे वह एक छोटी सी गलती हो, किसी का व्यवहार, या हमारी अपनी सोच। सफल लोग वही होते हैं जो हर अनुभव को एक पाठ की तरह लेते हैं। वे जानते हैं कि हर समस्या में एक समाधान छिपा होता है और हर ठोकर में एक सीख।

जब कोई व्यक्ति अपनी पिछली गलतियों से सीखकर आगे बढ़ता है, तभी वह सही मायनों में परिपक्व होता है। सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है - यह केवल विद्यार्थी जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी ज़िंदगी चलता है।

सीखने के बाद सबसे महत्वपूर्ण चरण आता है - उभरना, यानी फिर से खड़े होना। जीवन में गिरना सामान्य है, लेकिन हर बार गिरने के बाद उठकर चलना ही हमें मजबूत बनाता है। एक बीज भी जब धरती में दबता है, तब वह अपनी जड़ों को जमाकर ऊपर की ओर बढ़ता है। उसी तरह हम भी हर चुनौती के बाद और अधिक परिपक्व होकर बाहर आते हैं।

महान लोग, जैसे महात्मा गांधी, अब्दुल कलाम, नेल्सन मंडेला - सभी ने जीवन में कठिनाइयाँ झेली, पर उन्होंने हार नहीं मानी। वे हर बार उभरे, और पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बने।

जीवन केवल खुशियों से नहीं चलता, बल्कि चुनौतियों और संघर्षों से ही इसका असली रूप निखरता है। जो व्यक्ति जीवन के उतार-चढ़ाव को स्वीकार करता है, उनसे सीखता है और हर बार नया संकल्प लेकर उभरता है - वही सच्चे अर्थों में सफल होता है। इसलिए, यदि हम जीवन को पूरी तरह जीना चाहते हैं, तो हमें इसे खुले मन से अपनाना होगा।

लेखाराम बिश्नोई
लेखक व विचारक
गेस्ट राइटर

विचार मंथन

बांके बिहारी मंदिर में मंत्री का विरोध, योगी सरकार से हिंदू नाराज?

(लेखक- सनत जैन)

वृंदावन के पवित्र बांके बिहारी मंदिर में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के खिलाफ तीखा विरोध हुआ। सरकार और भाजपा के खिलाफ नाराजगी, और भयंकर असंतोष यहां देखने को मिला। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की नीतियों और उनकी कॉरिडोर वाली कार्यशैली को लेकर बनारस और अयोध्या के बाद अब मथुरा, वंदावन में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। यह घटना न सिर्फ धार्मिक आस्था का सार्वजनिक प्रतिरोध है बल्कि यह एक संकेत भी है, अब हिंदू समाज भी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने लगा है। अपने मंदिरों के अस्तित्व की रक्षा तथा मंदिरों के ट्रस्ट में सरकार के हस्तक्षेप को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश का हिंदू बढ़-चढ़कर आगे आ रहा है। कैबिनेट मंत्री श्री शर्मा को विरोध प्रदर्शन के कारण बांके बिहारी के मंदिर से बिना दर्शन किए लौटना पड़ा। पुजारियों ने पट बंद कर दिए। सेवायतों और महिलाओं ने काली पट्टी बांधकर नारेबाजी की। पुलिस पर महिलाओं और भक्तों ने बदसुलूकी के आरोप लगाये। यह सब सिर्फ इसलिए हुआ, जिस 'कॉरिडोर संस्कृति' ने काशी और उज्जैन जैसे धार्मिक स्थलों की आत्मा और आस्था को बाजार बना दिया है, वही कॉरिडोर की संस्कृति से अब वृंदावन में धार्मिक आस्था को बाजार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सैकड़ो घर और मंदिरों को तोड़ने का प्लान बनाया गया है। बनारस और अयोध्या में लोग इस सबके दुष्परिणाम देख चुके हैं। बाजारवाद के कारण अब धार्मिक आस्थाओं पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है। बनारस में अब हिंदुओं के मंदिर प्रवेश पर भी टिकट लगा दी गई है। भक्तों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर 'विकास' का तर्क दिया है। मथुरा में स्थानीय जनता की भावनाओं और परंपराओं को सरकारी विकास के प्लान में दरकिनार कर दिया गया है। तंग गलियों में बसे सैकड़ों घरों को तोड़ने की योजना, सेकड़ों छोटे-छोटे मंदिरों और दुकानों को तोडने के लिए बुलडोज़र की आहट से यहां के लोगों में भारी रोष है। मंदिरों और ट्रस्ट के जरिए सरकारी नियंत्रण की जो आशंका थी। बनारस ने उसे विश्वास में बदल दिया है। यही सारे मुद्दे लोगों की नाराजगी का कारण बन रहे हैं। वृंदावन सिर्फ एक तीर्थ नहीं, यहां राधे-कृष्ण भक्ति की जीवंत परंपरा देखने को मिलती है। जिस विधि से रोजाना हजारों श्रद्धालु और भक्त मथुरा वृंदावन पहुंचते हैं, यहां की गलियों में भगवान कृष्ण और राधा की सांस आस्था के साथ भक्त महसूस करते हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार धार्मिक पर्यटन के नाम पर कॉरिडोर प्रोजेक्ट बनाने पर अमादा है। मथुरा वृंदावन और यमुना नदी जो धार्मिक आस्था के साथ-साथ प्रेम का प्रतीक है। श्रद्धा की इस पावन भूमि को सेल्फी प्वाइंट और वीआईपी दर्शन के नाम पर इसे एक बड़े कारोबार के रूप में तब्दील किया जा रहा है। सैकड़ो वर्षों से यहां के पुजारी और यहां के उन परिवारों पर जो भगवान कृष्ण की आस्था और श्रद्धा के केंद्र थे उन्हें वहां से बेदखल किया जा रहा है। मथुरा, वृंदावन के कॉरिडोर के विरोध को सिर्फ एक स्थानीय विरोध मानना सरकार की बडी भूल होगी। मथुरा, वृंदावन की यह स्पष्ट चेतावनी है। आस्था और विश्वास की भरपाई धन वैभव से नहीं हो सकती है, जिस तरीके से के परिणाम अयोध्या और बनारस में देखने को मिल रहे हैं, उससे हिंदू समाज नाराज है। अब हिन्दू चुप नहीं रहेगा, वह सरकार से सवाल-जवाब भी कर रहा है। कॉरिडोर की योजना का मुखर विरोध करने वह मंदिर और सड़कों पर आकर खड़ा हो गया है। मंदिर राजनीति के लिए मंच नहीं हैं। मंदिर और धार्मिक स्थल हिंदुओं की आस्था के केंद्र हैं। यदि राजनीतिक दल अपनी सत्ता को बरकरार रखने, धार्मिक स्थलों को कारोबारी स्थल बनाकर, पिकनिक स्पॉट, पर्यटन केंद्र होटल और अन्य स्थल बनाकर जो कमाई करना चाहते हैं, उसके विरोध में भक्त भी अब मंदिर से लेकर सड़कों तक आ गए हैं। मंदिर में भगवान के पुजारी पट बंद करके अपना विरोध जाता रहे हैं। उत्तर प्रदेश की योगी और केंद्र की मोदी सरकार को समझना होगा। धार्मिक आस्था और विश्वास को कमाई का जरिया नहीं बनाया जा सकता है। धर्म की आड़ में लंबे समय तक सत्ता पर बने रहना नामुमकिन है। विकास एवं बदलाव के नाम पर धार्मिक आस्था को रौंदने का प्रयास जब-जब हुआ तब-तब जनता ने उसका मुखर विरोध किया है। सत्ता जब अपने अहंकार के चरम पर होती है, तब धार्मिक आस्थाओं को दरकिनार कर स्वयं को भगवान मानने लगती है। यही गलती रावण ने तब की थी जब उसके पास नौ ग्रह कैद थे। रावण अपने आपको भगवान शंकर के समकक्ष समझने लगा था। इसके बाद भी राम के साथ युद्ध में उसे अपनी जान गंवाना पड़ी। यही भस्मासुर ने किया था। शंकर भगवान से वरदान लेकर उन्हीं को भस्म करने का प्रयास किया था। योगी जी की सरकार भी हिंदू आस्था और भक्तों के समर्थन से बनी है। कॉरिडोर के नाम पर जिस तरह से बनारस और अयोध्या में सरकार ने तांडव किया है उसको मथुरा के भक्तों ने समझ लिया है। कृष्ण के भक्त जो मथुरा वृंदावन में भक्ति और प्रेम के रस में डूबे रहते थे। उन्होंने यदि गुस्सा किया है तो इसकी प्रतिक्रिया देश और विदेश में भी देखने को मिलेगी। सरकार को इस बात को समझना होगा और अपना हठ त्यागकर मथुरा में कॉरिडोर बनाने की योजना को विराम देना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो हिंदुओं के बीच में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीएसटी अधिकारियों ने पहली तिमाही में 3,558 जाली कंपनियां पकड़ीं

नई दिल्ली । माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) में 15,851 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) दावों का पता लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 29 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, फर्जी कंपनियों की संख्या में कमी आई है। इस तिमाही के दौरान 3,558 फर्जी कंपनियां पकड़ी गईं, जो पिछले साल की समान अवधि में पकड़ी गई 3,840 फर्जी कंपनियों से कम हैं। जीएसटी अधिकारियों ने इस अवधि में 53 लोगों को गिरफ्तार किया और 659 करोड़ रुपये की रकम बरामद की। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 12,304 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी का पता चला था, जिसमें 26 लोग गिरफ्तार हुए थे और 549 करोड़ रुपये जब्त किए गए थे। जीएसटी व्यवस्था में फर्जी पंजीकरण और आईटीसी धोखाधड़ी रोकने के लिए दो बड़े अभियान चलाए गए हैं। पहले अभियान में (16 मई से 15 जुलाई 2023) 21,791 फर्जी इकाइयों का पता चला था, जबकि दूसरे अभियान (16 अप्रैल से 30 अक्टूबर 2024) में लगभग 18,000 फर्जी कंपनियां पकड़ी गईं। इन अभियानों में कुल 49,000 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी का पता चला है।

भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौता 1 अक्टूबर से लागू

- 100 अरब डॉलर निवेश और 10 लाख नौकरियों का वादा

मुंबई । भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच हुआ ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) अब 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी और बताया कि यह डील भारत के लिए आर्थिक दृष्टि से बेहद फायदेमंद साबित होगी। ईएफटीए जिसमें आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड शामिल हैं, ने भारत में अगले 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसके माध्यम से 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। साथ ही भारत में व्यापार, नवाचार और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। समझौते के तहत ईएफटीए भारत के 99.6 फीसदी निर्यात पर टैरिफ रियायत देगा, जबकि भारत अपनी 82.7 फीसदी टैरिफ लाइनों पर रियायत देगा। इससे भारतीय निर्यातकों को प्रीमियम यूरोपीय बाजार में प्रवेश मिलेगा। वहीं उपभोक्ताओं को स्विस घड़ियाँ, चॉकलेट और अन्य उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद अब कम कीमतों पर मिल सकेंगे, क्योंकि अगले 10 वर्षों में इन पर सीमा शुल्क धीरे-धीरे हटाया जाएगा। हालांकि, सोना, डेयरी, कोयला, सोया और संवेदनशील कृषि उत्पादों को रियायत सूची से बाहर रखा गया है, जिससे स्थानीय उद्योगों की सुरक्षा बनी रहेगी। इस समझौते को भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल को बल देने वाला और वैश्विक व्यापार में देश की स्थिति को सशक्त करने वाला कदम माना जा रहा है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील जल्द संभव

- 1 अगस्त से पहले समझौता जरूरी

वॉशिंगटन । भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की दिशा में तेज़ी से प्रगति हो रही है। हाल ही में वॉशिंगटन में 14 से 17 जुलाई तक दोनों देशों के बीच पांचवें दौर की अहम बातचीत हुई। इसमें डील के अंतिम मसौदे को तैयार करने पर जोर दिया गया। भारत इस डील को बेहद अहम मानता है ताकि वह रेसिप्रोकल टैरिफ यानी आपसी शुल्क से बच सके और अन्य एशियाई देशों की तुलना में बेहतर व्यापारिक स्थिति बना सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि यह डील लगभग तैयार है, लेकिन साथ ही 1 अगस्त की डेडलाइन भी तय कर दी गई है। अगर इस तारीख तक समझौता नहीं होता, तो अमेरिका भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लागू कर सकता है, जिससे भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान हो सकता है। बातचीत में केवल पारंपरिक व्यापार ही नहीं, बल्कि डिजिटल इकोनॉमी, हाई टेक्नोलॉजी ट्रेड और सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील वस्तुओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। भारत ने अमेरिका से ऑटोमोबाइल सेक्टर पर लगे 25 प्रतिशत टैरिफ और स्टील-एल्युमीनियम पर लगे 50 प्रतिशत शुल्क से छूट की मांग की है।

एफपीआई ने जुलाई में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 5,524 करोड़

- अब तक कुल निकासी 83,245 करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई 2025 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 5,524 करोड़ रुपये की निकासी की है। यह प्रवृत्ति अमेरिका-भारत के बीच जारी व्यापार तनाव और कंपनियों के मिले-जुले तिमाही नतीजों के बीच देखी जा रही है। इससे पहले पिछले तीन महीनों में एफपीआई भारतीय बाजार में शुद्ध निवेशक रहे थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, 2025 की शुरुआत से अब तक एफपीआई की कुल निकासी 83,245 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। अप्रैल में एफपीआई ने 4,223 करोड़ रुपये, मई में 19,860 करोड़ रुपये और जून में 14,590 करोड़ रुपये निकाले थे। जनवरी और फरवरी में भी बड़ी निकासी हुई, जनवरी में 78,027 करोड़ और फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज हुई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि आगे एफपीआई निवेशों का रुख अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर निर्भर करेगा। व्यापार विवादों

के समाधान और कंपनियों की आमदनी में सुधार से निवेशकों का भरोसा वापस आ सकता है और एफपीआई फिर से भारतीय बाजार की ओर आकर्षित हो सकते हैं। बाजार की अनिश्चितता और भारत में तिमाही नतीजों के मिश्रित प्रदर्शन के कारण एफपीआई ने निकासी की है। आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान एफपीआई ने बॉन्ड में 1,850 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 1,050 करोड़ रुपये का निवेश भी किया है।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 15 फीसदी से अधिक बढ़ा

- डिपॉजिट और रिटेल लोन ग्रोथ भी हुई मजबूत

नई दिल्ली . निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में से एक आईसीआईसीआई बैंक ने बीती जून तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। बैंक ने बताया कि जून तिमाही में उसका स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 15.5 फीसदी बढ़कर 12,768.21 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 11,059.11 करोड़ रुपये था। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) में भी 10.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 21,635 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल 19,553 करोड़ रुपये थी। बैंक ने बताया कि उसका नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) जून 2025 तिमाही में 4.34 फीसदी रहा, जो मार्च 2025 में 4.41 फीसदी और पिछले साल की जून तिमाही में 4.36 फीसदी था। इसके अलावा, कोर ऑपरेटिंग प्रॉफिट 13.6 फीसदी बढ़कर 17,505 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 15,412 करोड़ रुपये था। बैंक ने प्रोविजन (टैक्स को छोड़कर) में भी इजाफा किया, जो इस तिमाही में 1,815 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 1,332 करोड़ रुपये था।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले टीवीएस चेयरमैन, रण उत्सव 2025 कॉफी टेबल बुक भेंट की

- टीवीएस के चेयरमैन ने कहा- कच्छ की खूबसूरती दिखाने के प्रयास सराहनीय

नई दिल्ली ।

टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और कंपनी के प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने पीएम मोदी को 'रण उत्सव 2025' पर आधारित एक विशेष कॉफी टेबल बुक भेंट की। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार सुबह इस मुलाकात से जुड़ी तस्वीर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कच्छ की सुंदरता को दर्शाने के लिए टीवीएस के प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने लिखा` कि मुझे वेणु श्रीनिवासन और सुदर्शन वेणु से मिलकर खुशी हुई। कच्छ की खूबसूरती को प्रस्तुत करने और बाइकर्स को वहां आने के लिए प्रेरित करने का उनका प्रयास प्रशंसनीय है। टीवीएस मोटर कंपनी ने गुजरात पर्यटन विभाग के साथ मिलकर फरवरी 2025 में आयोजित होने वाले 'रण उत्सव' को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की है। यह उत्सव कच्छ की संस्कृति, विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को दोपहिया यात्राओं के माध्यम से अनुभव कराने पर केंद्रित है। कॉफी टेबल बुक की थीम 'सारी मुजाफिरी' है, जिसमें कच्छ के प्रमुख स्थलों को सुबह से शाम तक के बदलते रूपों के साथ दर्शाया गया है। इसमें स्थानीय कला, संगीत, लोक संस्कृति और भू-दृश्यों को खास अंदाज़ में प्रस्तुत किया गया है। वेणु श्रीनिवासन ने कहा, प्रधानमंत्री से मिलना गर्व की बात है। कच्छ युवाओं और बाइक प्रेमियों के लिए एक अद्वितीय पर्यटन स्थल बन सकता है। हम उन्हें वहां जाकर अनुभव करने के लिए आमंत्रित करते हैं। यह पहल पर्यटन, संस्कृति और युवा जुड़ाव को बढ़ावा देने की दिशा में एक रचनात्मक कदम मानी जा रही है।

सेंसेक्स की 6 टॉप कंपनियों के मार्केट कैप में 94,433 करोड़ की गिरावट

- सबसे ज्यादा नुकसान टीसीएस और आरआईएल) को हुआ

मुंबई ।

सेंसेक्स की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में कुल मिलाकर 94,433.12 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज हुई है। इस गिरावट में सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) को हुआ है। विश्लेषण के दौरान पता चला कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्य में गिरावट आई। इसके विपरीत, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि देखी गई। टीसीएस का बाजार मूल्य 27,334.65 करोड़ रुपये घटकर 11,54,115.65 करोड़ रुपये पर आ गया, जो इस गिरावट में सबसे ज्यादा था। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 24,358.45 करोड़ रुपये घटकर 19,98,543.22 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 20,051.59 करोड़ रुपये घटकर 15,00,917.42 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में भी क्रमशः 11,888.89 करोड़, 7,330.72 करोड़ और 3,468.82 करोड़ रुपये की गिरावट आई। दूसरी ओर, एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 13,208.44 करोड़ रुपये बढ़कर 7,34,763.97 करोड़ रुपये पहुंच

गया। बजाज फाइनेंस 5,282.15 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 5,85,292.83 करोड़ रुपये पर रहा। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 3,095 करोड़ रुपये बढ़कर 10,18,008.73 करोड़ रुपये और एलआईसी का 506 करोड़ रुपये बढ़कर 5,83,828.91 करोड़ रुपये हो गया। सेंसेक्स की शीर्ष कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का क्रम रहा।

रॉकेट की तरह ऊपर जा रहे एनवीडिया के शेयर, सीईओ ने बेचे 450 करोड़ के शेयर

- कंपनी अब एआई, डेटा सेंटर्स, जैसी नई तकनीकों के लिए बनाती है चिप्स

नई दिल्ली।

चिपमेकर एनवीडिया के सीईओ जेनसेन हुआंग ने अपनी हिस्सेदारी के कुछ शेयर बेचकर खूब मुनाफा कमाया। हुआंग ने दो किस्तों में शेयरों को निकाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बीते सप्ताह की शुरुआत में 225,000 शेयर बेचे जिनकी वैल्यू 3.7 करोड़ डॉलर थी। इसके बाद शुक्रवार को उन्होंने 75000 शेयर और बेचे। इनकी वैल्यू 1.29 करोड़ डॉलर थी यानी हुआंग कुल 49.94 मिलियन डॉलर के शेयर बेच चुके हैं हैं। भारतीय करेंसी में देखा जाए तो यह रकम 430 करोड़ रुपए से ज्यादा की है।

बता दें शेयरों की बिक्री पहल से ही तय थी। इस साल मार्च में कंपनी में एक ऐसी व्यवस्था पर सहमति बनी थी जिसके तहत हुआंग 60 लाख शेयर तक बेच सकते हैं। शेयरों की बिक्री ऐसे समय में हुई है जब एनवीडिया के शेयर रॉकेट की रफ्तार से ऊपर जा रहे हैं। कंपनी के स्टॉक्स पिछले एक महीने में करीब 20 फीसदी चढ़े हैं। हाल ही में कंपनी की वैल्यूएशन 4 लाख करोड़ डॉलर हो गई थी। एनवीडिया यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली कंपनी बन गई है। इसके साथ हुआंग की नेटवर्थ में भी भारी इजाफा हुआ है।

एनवीडिया ने कहा कि वह जल्द ही चीन में अपनी एच20 एआई चिप्स की सप्लाई शुरू करेगी। अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण इन चिप्स के एक्सपोर्ट को रोक दिया गया था, लेकिन अब ट्रंप प्रशासन ने चीन के प्रति नरम रुख अपनाते हुए यह फैसला किया। अमेरिका ने चीन जा रहे गुड्स को एक्सपोर्ट लाइसेंस देने की बात कही है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने आश्वासन दिया है कि लाइसेंस दे दिया जाएगा और एनवीडिया जल्द ही डिलीवरी शुरू कर देगी। बीते हफ्ते बुधवार को हुआंग ने कहा था कि वह चीनी बाजार को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उनका कहना है कि वह भविष्य में चीन को एच20 से भी ज्यादा एडवांस चिप सप्लाई करेंगे। बता दें एनवीडिया एक अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी है जिसकी शुरुआत 1993 में जेन्सन हुआंग, क्रिस मलाचोव्स्की और कर्टिस प्रीम ने की थी।

पीएफ के पैसे निकालने को लेकर हो सकता है नियमों में बदलाव

- निजी क्षेत्रों के 7 करोड़ से ज्यादा ईपीएफओ सदस्यों की मिल सकती है राहत

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अकाऊंट्स से पैसे निकालने के नियमों में बड़ा बदलाव कर सकता है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिटायरमेंट फंड बॉडी ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें ऐसा कहा गया है कि ईपीएफओ सदस्यों की हर 10 साल में एक बार अपनी पूरी राशि या उसका कुछ हिस्सा निकालने की अनुमति दी जाए। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता है तो इससे संगठित निजी क्षेत्रों में कार्य करने वाले 7 करोड़ से ज्यादा ईपीएफओ सदस्यों की राहत मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार 10 साल की सेवा पूरी करने के बाद सदस्यों की ओर से पैसा निकालने के नियमों को आसान बनाने पर विचार कर रही है। यह उन लोगों को ध्यान में रखकर विचार किया जा रहा है, जो जल्द रिटायर होना चाहते हैं। ऐसे में वह 58 साल तक इंतजार की बजाय रिटायर होते ही पूरा पी. एफ, अमाऊंट क्लेम कर सकते हैं। अभी तक ई. पी. एफ, ओ, से पूरी रकम तभी निकाली जा सकती थी, जब कोई कर्मचारी 58 साल की आयु में रिटायर हो या नौकरी छोड़ने के 2 महीने बाद भी बेरोजगार रहे लेकिन कई लोग ऐसे भी हैं जो 35 से 40 साल की उम्र में करियर बदलना चाहते हैं या किसी वजह से नियमित नौकरी नहीं कर पाते हैं।

अप्रैल-जून 2025 में भारत का वाहन निर्यात बढ़कर 14.57 लाख ईकाई पहुंचा

- कुल निर्यात संख्या 2,04,330 इकाइयों तक पहुंची

नई दिल्ली । देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने अप्रैल-जून 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जब वाहन निर्यात 22 फीसदी तक बढ़कर 14,57,461 इकाइयों पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही (11,92,566) की तुलना में उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है। यात्री वाहन निर्यात ने अपनी सर्वाधिक ऊंचाई छुई, जब इसमें 13 फीसदी वृद्धि देखी गई और कुल निर्यात संख्या 2,04,330 इकाइयों तक पहुंची। सियाम ने इस वृद्धि के पीछे के कारणों में मध्य पूर्व, लातिनी अमेरिका में स्थिर वैश्विक मांग, नेपाल-श्रीलंका जैसे पड़ोसियों में सुधार, जापान की बढ़ती रुचि और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ एफटीए का महत्व बताया दो-पहिया वाहन निर्यात ने 11,36,942 इकाइयों तक वृद्धि दर्ज की, जो कि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 9,23,148 इकाइयों से 23त्न अधिक है। इसी तरह वाणिज्यिक वाहन तथा तिपहिया वाहन निर्यात में क्रमशः 23 और 34 फीसदी की छलांग देखने को मिली, जो क्रमशः 19,427 और 95,796 इकाइयों तक पहुंचे। मारुति सुजुकी इंडिया ने पहली तिमाही में प्रमुख भूमिका निभाई, जब उसने 96,181 यात्री वाहन निर्यात किए, जो कि पिछले वर्ष के 69,962 की तुलना में 37 फीसदी अधिक है वैश्विक रूप से

घरेलू मांग में कमी के बावजूद निर्यात ने भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग की स्थिति मजबूत की है। जून 2025 में घरेलू बिक्री में गिरावट के बावजूद, निर्यात-निर्भर रणनीति उद्योग की निरंतरता बनाए रखने में प्रभावी सिद्ध हुई। भारत की ऑटो निर्यात वृद्धि घरेलू बाजार में मंदी के बीच मुस्तैदी का प्रदर्शन है।

नया आयकर विधेयक-2025: कर प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव की तैयारी

- संसदीय समिति की रिपोर्ट सोमवार को लोकसभा में पेश होगी

नई दिल्ली ।

लोकसभा में सोमवार को नया आयकर विधेयक-2025 पेश किया जाएगा, जो 1961 के छह दशक पुराने आयकर अधिनियम की जगह लेगा। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में गठित 31 सदस्यीय प्रवर समिति ने इस विधेयक की समीक्षा कर 285 सुझावों के साथ रिपोर्ट तैयार की है, जिसे 16 जुलाई को अंतिम रूप दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 13 फरवरी को यह विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया था। सरकार का दावा है कि यह विधेयक कर प्रणाली को सरल, स्पष्ट और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। नए विधेयक में धाराओं की संख्या 819 से घटाकर 536 कर दी गई है और शब्दों की कुल संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है। अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी गई है, जबकि तालिकाएं 18 से बढ़ाकर 57 की गई हैं। इसमें 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं, जिससे

विधेयक अधिक सरल और समझने योग्य बन गया है। करदाताओं के हित में एक बड़ा बदलाव यह है कि पिछले वर्ष और आकलन वर्ष की अवधारणाएं हटाकर कर वर्ष को लागू किया गया है। इससे कर निर्धारण अधिक सीधा और पारदर्शी होगा। विधेयक में टीडीएस/टीसीएस और छूट संबंधी प्रावधानों को सारणीबद्ध रूप में रखा गया है और गैर-लाभकारी संस्थाओं के लिए नियमों को सरल भाषा में स्पष्ट किया गया है। यह बदलाव आयकर प्रणाली को अधिक न्यायपूर्ण, डिजिटल युग के अनुकूल और विवाद रहित बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की दिशा

कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी घरेलू बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे

मुंबई ।

इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल कई महत्वपूर्ण कारकों पर निर्भर करेगी। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता की प्रगति और वैश्विक आर्थिक संकेतक प्रमुख हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की नजर सबसे पहले सोमवार को रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के वित्तीय परिणामों पर रहेगी। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जून तिमाही में 26,994 करोड़ का लाभ दर्ज किया है, जो अब तक का उसका सबसे अधिक तिमाही लाभ है। यह लाभ पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 78.3 प्रतिशत अधिक है। एचडीएफसी बैंक ने जून 2025 तिमाही में 1.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,258 करोड़ का लाभ दर्ज किया है। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 15.9 प्रतिशत बढ़कर 13,558 करोड़ रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इन तीन दिग्गजों के नतीजे बाजार की

शुरुआती दिशा तय करेंगे। सप्ताह के अन्य सत्रों में निवेशकों की निगाह इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी कंपनियों के नतीजों पर रहेगी। एक बाजार` विश्लेषक ने कहा कि यह सप्ताह तिमाही नतीजों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण रहेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता पर भी बाजार की नजर रहेगी। दोनों देशों ने 17 जुलाई को वाशिंगटन में द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। यह वार्ता एक अगस्त से पहले किसी अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से की जा रही है, क्योंकि अमेरिका के जवाबी शुल्क पर रोक की अवधि उसी दिन समाप्त हो रही है। बाजार के जानकार का कहना है कि व्यापार समझौते में प्रगति की उम्मीदों और समयसीमा को देखते हुए निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना सकते हैं। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक बाजारों के संकेत भी घरेलू बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे।

इस सप्ताह सीमित दायरे में रह सकता है सोना: विश्लेषक

- वैश्विक कारकों पर रहेगी निवेशकों की नजर

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह सोने की कीमतें सीमित दायरे में रह सकती हैं क्योंकि निवेशक वैश्विक व्यापार वार्ता, अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी फेड चेयरमैन जेरोम पावेल का संबोधन, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरो क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े और यूरोपीय केंद्रीय बैंक की ब्याज दर नीति सोने की दिशा तय करेंगे। बाजार के जानकारों ने बताया कि व्यापार वार्ता, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों की टिप्पणियां और आर्थिक आंकड़े जैसे बेरोजगारी दावे व टिकाऊ वस्तुओं के ऑर्डर बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा कि डॉलर में मजबूती और नए उत्प्रेरकों की कमी के कारण सोने के भाव में हाल ही में स्थिरता देखी गई है। वहीं, अगस्त से अक्टूबर तक त्योहारी मांग के कारण घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में तेजी आ सकती है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अगस्त डिलिवरी वाला सोना पिछले सप्ताह 200 रुपए चढ़ा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 3,350 प्रति औंस डॉलर तक पहुंचा है। वहीं चांदी एमसीएक्स पर सितंबर डिलिवरी वाला चांदी अनुबंध 1,15,136 प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों के अनुसार, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स में मांग के कारण

चांदी अब 'गरीबों का सोना' न रहकर रणनीतिक निवेश विकल्प बन रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी जारी रही, तो 2025 की दूसरी छमाही में सोने में 4-8 फीसदी तक और तेजी आ सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मैनचेस्टर पहुंची, इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा मुकाबला

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की 5 मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया रविवार को मैनचेस्टर पहुंची। यह टेस्ट मैच बुधवार 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। जिन खिलाड़ियों के यहां पहुँचने की सूचना मिली, उनमें टीम के कप्तान शुभमन गिल, उप-कप्तान ऋषभ पंत और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल शामिल थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन, दाएं हाथ के बल्लेबाज करुण नायर, अनकैप्ड खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी जैसे अन्य खिलाड़ी भी मैनचेस्टर पहुंचते ही सुर्खियों में आ गए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कुछ अन्य खिलाड़ियों की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर के साथ विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल शामिल थे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव भी नजर आए। 193 रनों का पीछा करते हुए पुछल्ले बल्लेबाजों और रवींद्र जडेजा के संघर्षपूर्ण प्रयास के बावजूद लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट सिर्फ 22 रन से हारने के बाद भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और चौथे टेस्ट में जीत दर्ज करना चाहेगी।

भारत की टीम

शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

श्रीशंकर ने पुर्तगाल में लंबी कूद का खिताब जीता, तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप पर नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार लांग जंपर मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट मीटिंग माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीत लिया।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई।

पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है।

घुटने के आपरेशन के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की है। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए स्वत- क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। वह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे जिसके लिए सरकार ने 5.58 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

एक-दो नहीं, तीन रिकॉर्ड्स पर शुभमन गिल की नजरें, एक है 19 साल पुराना

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। भारतीय टीम मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में खेलने के लिए पहुंच चुकी है। मुकाबला 23 जुलाई (बुधवार) से शुरू होगा। मेहमान टीम के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है क्योंकि टीम लॉर्ड्स में हार गई थी जिस वजह से सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। इस मैच में भारतीय कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर सुर्खियों में होंगे क्योंकि वह एक-दो नहीं बल्कि तीन रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इसमें से एक रिकॉर्ड तो 19 साल पुराना है।

शुभमन गिल ने अब तक सीरीज में 101 की औसत और 269 के सर्वोच्च स्कोर के साथ 607 रन बनाए हैं। यदि गिल आगामी मैच में 25 रन बना लेते हैं, तो वह पाकिस्तान के महान बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ को पीछे छोड़कर इंग्लैंड में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बन जाएंगे। यूसुफ ने 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ उनके मैदानों पर 631 रन बनाए थे।

अगर शुभमन गिल मैनचेस्टर टेस्ट में 146 रन बनाते हैं, तो उनके नाम इस सीरीज में 753 रन हो जाएंगे जिससे वह भारत और इंग्लैंड के बीच किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। यह रिकॉर्ड फिलहाल ग्राहम गूच के नाम है जिन्होंने 1990 में 752 रन बनाए थे।

इन दो रिकॉर्ड्स के अलावा अगर शुभमन गिल 107 रन बनाते हैं, तो वह इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन सकते हैं। यशस्वी जायसवाल फिलहाल 712 रनों के साथ शीर्ष पर हैं जो उन्होंने 2024 में बनाए थे।

केएल राहुल 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के कगार पर, चाहिए मात्र इतने रन

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट नजदीक आ रहा है और सभी की नजरें भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल पर होंगी जिन्होंने अब तक इंग्लैंड में अपने करियर को परिभाषित करने वाली श्रृंखला खेली है और 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से सिर्फ 60 रन दूर हैं। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे और भारत को सीरीज बराबर करने के लिए चौथा टेस्ट जीतना होगा।

अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में केएल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी उत्कृष्ट तकनीक, संयम और विविध शॉट्स के बावजूद टेस्ट क्रिकेट आश्चर्यजनक रूप से उनका सबसे कम असफल प्रारूप रहा है, जिसमें उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है।

उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाजी औसत में ठहराव की भी जांच की जा रही है, यहां तक कि केएल ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाजी औसत को

देखकर उन्हें ÷दुख होता है÷। वे एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। टी20आई में वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में एक विनाशकारी टी20 विश्व कप 2022 के बाद से टी20आई नहीं खेला है, क्योंकि भारत में युवा, निडर और कठोर टी20आई विशेषज्ञों की तुलना में उनकी स्कोरिंग दर कई बार पुरानी लगती है।

मौजूदा श्रृंखला में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके दस में से नौ टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (स्श्वह्व) देशों में आए हैं, जिनमें से एक शतक ऑस्ट्रेलिया में और दो दक्षिण अफ्रीका में हैं। दो मैच शेष रहते हुए, केएल के पास इस श्रृंखला को सांख्यिकीय रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट शतक बनाने का पूरा मौका है। उनकी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज रही है जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं जिसमें उनके नाम छह अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

इस दौरे पर अब तक राहुल ने 670 गेंदों का सामना किया है, जो 1990 के बाद से इंग्लैंड में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा किसी दौरे पर चौथा सबसे ज्यादा है। दो और मैच बचे हैं, ऐसे में उनके पास 2021 के दौरे के दौरान 735 गेंदों के अपने ही रिकॉर्ड, रोहित शर्मा द्वारा इसी दौरे में सामना की गई 866 गेंदों और 2014 में मुरली विजय के 1,054 गेंदों के सर्वकालिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का पूरा मौका है। टीम में एक सीनियर खिलाड़ी के रूप में राहुल ने युवाओं और पुरानी पीढ़ी के बीच एक बेहतरीन कड़ी का काम किया है। जहां आलोचकों ने पहले हर टेस्ट मैच के साथ लय और रन खोने के लिए उनकी आलोचना की थी, वहीं केएल ने इस बार अपने बल्ले से उन्हें चुप करा दिया है और कम से कम हर टेस्ट में पचास से ज़्यादा का स्कोर बनाया है।

बीसीसीआई ने कंबोज को भारतीय दल में शामिल किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड दौरे में भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने के सिलसिले को देखते हुए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर शामिल किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हैं जबकि आकाशदीप की कमर में दर्द है। वहीं अर्शदीप सिंह की अंगुली में चोट लगी है। चोटिल खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या से परेशान होकर ही बीसीसीआई चयनसमिति ने भारतीय दल में कंबोज को शामिल करने का फैसला किया। कंबोज को अर्शदीप के चोटिल होने के बाद कवर के तौर पर शामिल किया गया है। बीसीसीआई के अनुसार, अर्शदीप के हाथ में टांके लगे हैं। ऐसे में उन्हें पूरी तरह से फिट होने में कम से कम दस दिन लगेंगे। इसी को देखते हुए ही चयनकर्ताओं ने कंबोज को टीम से जोड़ा है। कंबोज पिछले महीने भारत ए टीम में शामिल थे, ऐसे में उन्होंने वहां दो तीन दिवसीय मैच खेले थे जिस कारण उन्हें हालातों का अंदाजा है। उन्होंने भारत ए की ओर से अच्छी गेंदबाजी करते हुए अपने दोनों मैचों में पांच विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने अपनी गति और कसी हुई लाइन से सभी को प्रभावित किया था। कंबोज ने फर्स्ट क्लास करियर में अब तक हरियाणा के लिए अभी तक 24 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। ऐसे में अगर आकाशदीप मैच से पहले पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं। तो प्रसिद्ध कृष्णा या फिर कंबोज में से किसी को अवसर मिल सकता है।

अर्शदीप के चोटिल होने से मैनचेस्टर टेस्ट से डेब्यू का सपना टूटा

लंदन। 23 जुलाई से मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अर्शदीप के हाथ में अभ्यास सत्र के दौरान चोट लग गयी। ऐसे में अब उनके इस मैच तक फिट होने की काफी कम संभावनाएं हैं। भारतीय टीम के लिए ये इसलिए भी बड़ा झटका

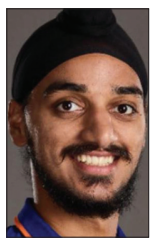

है क्योंकि दूसरे टेस्ट में जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह पहले ही कमर के दर्द से पीड़ित हैं। इसको देखते हुए टीम प्रबंधन आकाशदीप की जगह अर्शदीप को उतरना चाहता था पर अब ये संभव नजर नहीं आता। अभ्यास सत्र के दौरान साई सुदर्शन की गेंद को फॉलो-थ्रू पर रोकते समय अर्शदीप के हाथ में चोट लग गई थी। उनके हाथ में टांके लगाए गए हैं, ऐसे में अब उनके खेलने के लिए फिट होने की संभावना कम है। इससे उनका टेस्ट डेब्यू का सपना भी टल गया है। वहीं आकाश दीप की उपलब्धता पर अभी भी संशय बना हुआ है क्योंकि वह कमर के दर्द से पीड़ित हैं। आकाश दीप ने मैनचेस्टर रवाना होने से पहले भारतीय टीम द्वारा आयोजित नेट सेशन में भी भाग नहीं लिया था। इंग्लैंड दौरे पर खिलाड़ियों विशेषकर गेंदबाजों के चोटिल होने से भारतीय टीम प्रबंधन भी परेशान हैं। आकाशदीप और अर्शदीप सिंह से पहले उप-कप्तान ऋषभ पंत भी लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में ऋषभ के भी मैनेचेस्टर में खेलने की संभावनाएं भी काफी कम है, उनकी जगह ध्रुव जुरेल को अवसर मिल सकता है। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खेलना भी तय नहीं है। बुमराह ने पहले ही साफ कर दिया था कि इस दौरे पर वह तीन मैच ही खेलेंगे। उन्होंने लीड्स और लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैच खेल लिए हैं पर गेंदबाजों के फिट नहीं होने के कारण उन्हें उतरना पड़ सकता है।

महिला विश्व कप शतरंज: इतिहास रचते हुए हंपी, हरिका, वैशाली और दिव्या पहुँची क्वार्टर फाइनल में

बातुमी , जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय महिला शतरंज टीम द्वारा पिछले वर्ष शतरंज ओलंपियाड का स्वर्ण पदक जीतना कोई तुक्का नहीं था और शतरंज में पुरुषो की तरह महिलाएं भी इतिहास रच रही है। विश्व शतरंज दिवस के ठीक पहले फीडे महिला विश्व कप शतरंज 2025 में भारतीय महिला शतरंज ने नया इतिहास रच दिया है। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहली बार चार भारतीय महिलाएं जगह बनाने में सफल हुई हैं। इसका मतलब है कि अंतिम आठ में से आधी खिलाड़ी भारत से हैं। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी, हरिका द्रोणावल्ली, आर वैशाली और इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने चौथे राउंड में अपने-अपने टाईब्रेक मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट कटाया।

दिव्या ने जिनेर झू को चौंकाया - दिव्या देशमुख ने चीन की दूसरी वरीय ग्रैंडमास्टर जिनेर झू को 2.5-1.5 से हराकर सबसे बड़ी जीत हासिल की। पहले गेम में जीत

हासिल करने के बाद उन्होंने दूसरा गेम ड्रॉ करते हुए मैच अपने नाम किया।

हंपी ने कोस्टेनियुक को किया बाहर - रूस की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्जान्द्रा कोस्टेनियुक को दो रैपिड टाईब्रेक में पछाड़ते हुए कोनेरू हंपी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इससे यह तय हो गया कि इस बार विश्व कप में नया विजेता मिलेगा क्योंकि कोस्टेनियुक 2021 की पहली विजेता थीं। हरिका द्रोणावल्ली ने पहले टाईब्रेक गेम में हारने के बाद जोरदार वापसी की और अंततः 3.5-2.5 के स्कोर से रूस की कतेरीना लाग्नो को मात दी।

वैशाली की सबसे लंबी लड़ाई - आर वैशाली को कजाखस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा के खिलाफ आठ गेम की लंबी टाईब्रेक लड़ाई लड़नी पड़ी। अंततः उन्होंने 4.5-3.5 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

सेमीफाइनल में भारत की उपस्थिति तय

क्वार्टर फाइनल में दिव्या देशमुख और हरिका द्रोणावल्ली आमने-सामने होंगी, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि सेमीफाइनल में भारत की कम से कम एक खिलाड़ी जरूर पहुंचेगी। यह उपलब्धि भारतीय महिला शतरंज के इतिहास में पहली बार होगी।

क्वार्टर फाइनल में कोनेरू हंपी चीन की युशिन सॉन्ग से दिव्या देशमुख हमवतन हरिका द्रोणावल्ली से ,आर वैशाली चीन की जीएम झोंगी तान से और चीन की तिंगजी लेई जॉर्जिया की नाना डजगनिड्जे से मुक़ाबला खेलेंगी । आज तक कोई भी भारतीय महिला खिलाड़ी नें विश्व कप नहीं जीता है क्या इस बार यह कारनामा होगा इस पर दुनिया भर की नजरे होंगी ।

अब बिहार में अकादमी खोल रहे पठान बंधु

मधुबनी । पूर्व क्रिकेट इरफान पठान और उनके भाई यूसुफ पठान प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को एक मंच देने के लिए बिहार के एक छोटे से शहर मधुबनी में क्रिकेट अकादमी खोलने जा रहे हैं। पठान भाइयों का लक्ष्य छोटे शहरों के बच्चों को भी बेहत कोचिंग की सुविधा देना है। इस अकादमी के लिए रजिस्ट्रेशन अभी से शुरु हो गया है। उम्मीद की जा रही है कि इस महीने के अंत तक या अगले महीने तक इसका उद्घाटन भी करा दिया जाएगा। पठान भाइयों ने पहले से ही देश के कई शहरों में अपनी अकामियां खोली हुई हैं। जिससे प्रतिभावान बच्चों को खेलने में कोई परेशानी न आये। इस कड़ी में दोनों भाइयों ने मिलकर मधुबनी में भी क्रिकेट अकादमी खोलने की ये योजना बनाई है। इसमें नामांकन को लेकर संख्या अभी स्पष्ट नहीं है पर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। इसी के तहत ही मैदान तैयार करने के साथ ही जगह-जगह पर नेट्स लगाए गए हैं।

अगले माह श्रीलंका में खेलते नजर आ सकते हैं विराट और रोहित

मुम्बई । क्रिकेट प्रशंसकों का विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलते देखने का सपना शीर्ष ही पूरा हो सकता है। विराट और रोहित टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के कारण अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलेंगे, इसी कारण ये दोनो लंबे समय से मैदान से बाहर हैं। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम को अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर जाना था पर वहां के खराब हालातों को देखते हुए भारतीय बोर्ड ने ये दौरा रद्द कर दिया था। जिससे प्रशंसक निराश थे पर अब प्रशंसकों की इन दोनो को खेलते हुए देखने की इच्छा शीघ्र पूरी हो सकती है क्योंकि भारतीय टीम अब अगले माह श्रीलंका दौर पर जा सकती है। श्रीलंका बोर्ड ने बीसीसीआई से सामने एक सीरीज का प्रस्ताव रखा है जिसपर बोर्ड विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई श्रीलंकाई बोर्ड का ये प्रस्ताव मान लेगा। ऐसे में प्रशंसकों को रोहित और विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिल जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच की टेस्ट सीरीज के बाद भारत को 17 अगस्त से बांग्लादेश का दौरा करना था पर बांग्लादेश में सुरक्षा संबंधित चिंताओं की वजह से दोनों देशों के बोर्ड ने इस दौरे को अगले सात तक के लिए स्थगित कर दिया था। वहीं श्रीलंका क्रिकेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमें बीसीसीआई से सकारात्मक जवाब की उम्मीद है। इसपर आगे की चर्चा सिंगापुर में आईसीसी बैठक के दौरान होगी। अगर इस दौरे की अनुमति मिलती है तो इस सीरीज का आयोजन कोलंबो और कैंडी में हो सकता है। श्रीलंका ने पहले तीन मैच की एकदिवसीय और इतने ही मैच की टी20 सीरीज का प्रस्ताव दिया था, मगर अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 सीरीज के मैचों को बढ़ाया भी जा सकता है।

टीम इंडिया से बाहर होने के बाद भी करोड़ों कमा रहे ईशान किशन

मुम्बई । भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कुछ ही समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनायी है। उनके नाम एकदिवसीय में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का विश्व रिकार्ड है। घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण उन्हें अनुशासनहीनता के कारण पिछले दो साल से भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है पर इसके बाद भी उनकी कमाई पर कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ा है। बीसीसीआई ने हालांकि इस बार उन्हें सी वर्ग का करार दिया है। जिससे सालाना एक करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। माना जा रहा है कि उनकी भविष्य में टीम में वापसी हो सकती है। ईशान की कमाई क्रिकेट के अलावा बड़ी कंपनियों के विज्ञापन से होती है। इसके अलावा आईपीएल से भी उनको करोडों की रकम मिलती है। वह काउंटी से भी कमाई करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ईशान की नेटवर्थ तकरीबन 60 करोड़ रुपये है। 2025 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में ईशान किशन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 11.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं साल 2022 से 2024 तक उन्हें मुंबई इंडियंस से आईपीएल में वेतन के तौर पर 15.25 करोड़ रुपये मिले हैं।

हम परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य नहीं बिठा सके: स्मृति मंधाना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। लंदन = अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय में इंग्लैंड से हार के बाद स्वीकार किया कि भारतीय खिलाड़ी लॉर्ड्स मैदान की मुश्किल परिस्थितियों के अनुकूल नहीं ढल पाए और बल्लेबाजों ने समझदारी भरे शॉट नहीं खेले। भारत ने साउथम्पटन में खेले गए पहले मैच में चार विकेट से जीत हासिल की लेकिन शनिवार को लॉर्ड्स में खेले गये बारिश से प्रभावित मुकाबले में उन्हें आठ विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। उप-कप्तान मंधाना (42) और दीप्ति शर्मा (30 नाबाद) को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने चुनौती पेश करने में विफल रहा। भारतीय टीम 29 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन ही बना सकी।

मंधाना ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हम परिस्थितियों के अनुकूल जल्दी नहीं ढल पाये। हमने कुछ ऐसे शॉट खेलने की कोशिश की जो लॉर्ड्स जैसी पिच शायद आसान नहीं थे।' मंधाना ने स्वीकार किया कि मैच शुरू होने से पहले बारिश के कारण लंबे ब्रेक से खिलाड़ियों की एकाग्रता प्रभावित हुई। उन्होंने कहा, 'बारिश से प्रभावित मैच में ध्यान केंद्रित करना हमेशा बहुत मुश्किल होता है। हमें मैच शुरू होने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इस तरह के मैचों में टॉस अगर आपके पक्ष में नहीं रहा तो मुश्किलें और बढ़ सकती है। यह हम सभी के लिए एक कड़ी चुनौती थी। हम कुछ पहलुओं पर और बेहतर कर सकते थे।'

इस खब्बू बल्लेबाज ने कहा कि कहा कि लॉर्ड्स में रन बनाना हमेशा मुश्किल काम होता है और उनकी टीम कुछ महत्वपूर्ण सबक लेकर वापस लौटेगी। उन्होंने कहा, 'कई खिलाड़ियों को लॉर्ड्स में पहली बार खेलने का मौका मिला। उत्साह काफी ज्यादा था। इसलिए मुझे यकीन है कि बहुत से इन खिलाड़ियों ने काफी कुछ सीखा होगा।'

भारत ने 2017 में इसी मैदान पर इंग्लैंड से विश्व कप फाइनल हारा था। इस मैच में नौ रन की हार के बावजूद टीम के प्रदर्शन का ग्राफ उसके बाद ऊपर चढ़ा। मंधाना ने कहा कि पिछले आठ साल भारत में महिला क्रिकेटरों के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट, खास कर भारत में 2017 के बाद काफी बदलाव आया है। हम सब उस दिन जीत नहीं पाने से बहुत निराश थे, लेकिन जब हम भारत लौटे तब हमें नायकों जैसा स्वागत मिला। हर कोई महिला क्रिकेट के बारे में बहुत कुछ जानने लगा।'

उन्होंने कहा, 'पिछले आठ वर्षों से हम जहां भी खेलते हैं स्टेडियम में मौजूद भारतीय प्रशंसकों की संख्या से हमें लगता है कि हम

घरेलू मैदान पर खेल रहे हैं। लोग हमें देखने आते हैं, हमारी आलोचना करते हैं, हमारी सराहना करते हैं, जो सब अच्छा है क्योंकि इससे क्रिकेट को बढ़ावा मिल रहा है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं– तणंकर, शणंकर और मेघंकर।

तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश : स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

• आदिनाथ शिव
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार–प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

• शिव के अस्त्र–शस्त्र
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

• शिव का नाग
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

• शिव की अर्द्धांगिनी
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

• शिव के पुत्र
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं– गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

• शिव के शिष्य
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न–भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं– बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

• शिव के गण
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग–नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

• शिव पंचायत
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

• शिव के द्वारपाल
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा–महेश्वर और महाकाल।

• शिव पार्षद
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

• सभी धर्मों का केंद्र शिव
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

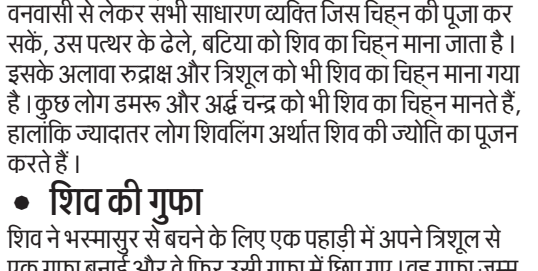

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

• देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

• शिव चिह्न
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

• शिव की गुफा
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

• शिव के अवतार
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं।
वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं– कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

• शिव का विरोधाभासिक परिवार
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

• शिव के पैरों के निशान
श्रीपद– श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।
रुद्र पद– तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।
तेजपुर– असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।
जागेश्वर– उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।
रांची– झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त :** ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी–देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा–अर्चना की थी।
- **.शिव ध्यान :** शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान–पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र :** दो ही शिव के मंत्र हैं पहला– ऊं नम : शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र– ऊं हौं जू स :। ऊं भू : भुव : स्व :। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व : भुव : भू : ऊं। स : जू हौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार :** सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक :** भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

• शिव महिमा
शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

• शैव परम्परा
दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

• शिव के प्रमुख नाम
शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें– महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

• अमरनाथ के अमृत वचन
शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

• शिव ग्रंथ
वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

• शिवलिंग
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन : सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत : यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु–नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा–अर्चना है।

• बारह ज्योतिर्लिंग
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

• शिव का दर्शन
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

• शिव और शंकर
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं– शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग–अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत : शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

• देवों के देव महादेव
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

• शिव हर काल में
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को मिट्टी में मिला देना चाहती थी अमेरिकी सेना, ट्रंप ने नहीं दी मंजूरी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए एक विस्तृत और लंबी योजना तैयार की थी। योजना के तहत, ईरान के मुख्य परमाणु स्थलों जैसे नतांज, फोर्दो, और इस्फहान पर एक रात के लिए नहीं, बल्कि हफ्तों तक लगातार अमेरिकी हमले होने थे। हालाँकि, तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस योजना को मंजूरी नहीं दी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) प्रमुख जनरल एरिक कुरिला ने योजना तैयार की थी। इस योजना में ईरान के छह परमाणु स्थलों को बार-बार निशाना बनाने का प्रस्ताव था, जो ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से कहीं अधिक बड़ा और व्यापक होता।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से खत्म करना था। इसमें ईरान की मिसाइल रक्षा प्रणाली और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं को भी निशाना बनाना शामिल था। हालांकि, इस तरह की कार्रवाई से ईरान में बड़े पैमाने पर नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी। इसके अलावा, अमेरिका को डर था कि ईरान इन हमलों के जवाब में इराक और सीरिया में अमेरिकी ठिकानों पर हमला कर सकता था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने योजना को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह एक लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष को जन्म दे सकती थी, इससे क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को खतरा होता। ट्रम्प अपनी विदेश नीति में अमेरिका को विदेशी संघर्षों से निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे, न कि इनमें और गहराई से उतरने पर। एक सूत्र के अनुसार, हम अपने विकल्पों पर पूरी तरह से विचार करने को तैयार थे, लेकिन राष्ट्रपति ऐसा नहीं चाहते थे।

यह योजना जो बाइडेन के प्रशासन के कार्यकाल के अंत में तैयार की गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान में जिन तीन परमाणु संवर्धन स्थलों पर पहले हमला किया गया था (शायद रिपोर्ट हाल ही में हुए ईरान-इज़राइल युद्ध के संदर्भ में पुरानी जानकारी को मिला रही है, क्योंकि यहां 21 जून की तारीख दी गई है जो भविष्य की तारीख है), उनमें से केवल एक ही लगभग नष्ट हुआ था। अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि फोर्डो पर हमला महत्वपूर्ण था और इससे वहां के संवर्धन सुविधा के काम को 2 साल तक पीछे धकेला जा सकता था। हालांकि, बमबारी से नतांज और इस्फहान को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था।

गाजा का बेत हनून बना राख का ढेर, इजरायली एयरस्ट्राइक से 700 साल पुराना शहर तबाह

गाजा। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के रविवार को किए गए ताजा हवाई हमलों में गाजा पट्टी का ऐतिहासिक शहर बेत हनून पूरी तरह से मिट्टी में मिल गया है। बताया जा रहा है कि इस हमले में 700 साल पुराने ऐतिहासिक ढांचे भी जमींदोज हो गए हैं। अब इस शहर में कोई भी इमारत शेष नहीं बची है, जिससे इसे अब राख का ढेर बताया जा रहा है। गाजा के उत्तर-पूर्वी छोर पर स्थित बेत हनून सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से फिलिस्तीन का एक अहम नगर रहा है। लेकिन आईडीएफ द्वारा की गई ताबड़तोड़ बमबारी और जमीनी कार्रवाई के बाद अब यह पूरा इलाका एक खंडहर में तब्दील हो चुका है। पहले इस शहर में हजारों की संख्या में लोग रहते थे, मगर अब यहां जीवन का कोई चिन्ह तक नहीं दिखाई देता। ऑस्ट्रेलियन यहूदी संघ (एजेए) के पूर्व प्रमुख द्वारा सोशल मीडिया पर दिया गया बयान बेत हनून अब शहर ही नहीं रहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीव्र आलोचना का विषय बना हुआ है। कई मानवाधिकार संगठनों और विशेषज्ञों ने इस टिप्पणी को असंवेदनशील और अमानवीय बताया है। इस भयावह त्रासदी के बाद संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक एजेंसियों ने इस पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र जांच की मांग की है। साथ ही, सभी पक्षों से युद्धविराम और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई है। बेत हनून की बर्बादी ने गाजा संघर्ष में हो रहे मानवीय संकट और सांस्कृतिक विरासत के नुकसान को एक बार फिर वैश्विक बहस के केंद्र में ला दिया है।

अपने दादा डोनाल्ड ट्रंप से पांच गुना ज्यादा कमा रहीं हैं काई

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जहां हर मंच पर अपनी ताकत और दौलत का डंका बजाते दिखते हैं। वहीं अब उनकी 18 साल की पोती काई ट्रंप ने कमाई के मामले में दादा को भी पीछे छोड़ दिया है। सोशल मीडिया सेंसेशन, मॉडल और गोल्फर बनने की तैयारी कर रही काई टीनएज में ही करोड़ों की मालकिन बन चुकी हैं। हैरानी की बात ये है कि वह अपने दादा ट्रंप से पांच गुना ज्यादा कमा रही हैं। काई ट्रंप, डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और उनकी पूर्व पत्नी वनेसा ट्रंप की बेटी हैं। उनकी मौजूदा कुल संपत्ति करीब 21 मिलियन डॉलर (लगभग 175 करोड़ रुपए) आंकी गई है। अकेले नाम, छवि और पहचान डील्स से ही काई को 1.2 मिलियन डॉलर से अधिक का फायदा हुआ है। ये डील्स अमेरिकी कॉलेज एथलीट्स को खुद की ब्रांड वैल्यू के दम पर कमाने की इजाजत देती हैं, चाहे वह खेल में कितना भी परफॉर्म करें। डोनाल्ड ट्रंप को बतौर अमेरिकी राष्ट्रपति सालाना 400,000 डॉलर की सैलरी मिलती है। इसके मुकाबले काई की कमाई लगभग पांच गुना है। यानी परिवार की अगली पीढ़ी अब सिर्फ राजनीति या बिजनेस नहीं बल्कि ब्रांडिंग और सोशल मीडिया के दम पर भी ट्रंप नाम को ऊंचाई दे रही है। काई फिलहाल फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित द बेन्जामिन स्कूल से पढ़ाई कर रही हैं। वे 2026 में हाई स्कूल से ग्रेजुएट होंगी और इसके बाद यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी जाएंगी। वहां वह कॉलेज की ओर से गोल्फ खेलेंगी। उन्हें अमेरिका की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली स्टूडेंट एथलीट्स में गिना जा रहा है। काई ट्रंप की सालाना कमाई 2.5 मिलियन डॉलर यानी करीब 20 करोड़ रुपए है। यह कमाई उन्हें मॉडलिंग कॉन्ट्रैक्ट्स, ब्रांड एंडोर्समेंट और सोशल मीडिया स्पॉन्सरशिप्स से होती है। उनके पास इंस्टाग्राम पर 1.8 मिलियन, टिक टॉक पर 3.2 मिलियन और यूट्यूब पर 1.17 मिलियन फॉलोअर्स हैं। सोशल मीडिया की ताकत ने उन्हें एक्सीलेरेटर एक्टिव एनर्जी, लीफ ट्रेडिंग कार्ड्स और टेलरमेड गोल्फ जैसे ब्रांडों का चेहरा बना दिया है।

डेल्टा एयरलाइंस के विमान में उड़ान भरते ही लगी आग, इमरजेंसी लैंडिंग कराई

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अटलांटा जा रहे डेल्टा एयरलाइंस के विमान में उड़ान भरने के तुरंत बाद ही इसके इंजन में आग लग गई जिसके बाद उसे वापस अपने एलएएक्स पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लैंडिंग करते ही एयरपोर्ट के अग्निशमन दल ने आग को तुरंत बुझा दिया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटनाग्रस्त यह विमान बोइंग 767-400 द्वारा संचालित किया जाता था जिसका पंजीकरण एन836एमएच है। जानकारी के मुताबिक यह विमान 24.6 साल पुराना है और इसमें दो जीई सीएफ6 इंजन लगे हैं। उड़ान भरते हुए विमान के इंजन में आग लगने का वीडियो में कैमरे में कैद हो गया। वहीं विमान की आपातकालीन लैंडिंग को रिकॉर्ड किया गया जिसमें विमान के बाएं इंजन से आग की लपटें निकलती दिख रही थीं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें यह इस साल दूसरी बार है जब डेल्टा एयरलाइंस के किसी विमान में आग लगने की घटना हुई है। इससे पहले अप्रैल माह में ऑरलैंडो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डेल्टा के एक विमान में आग लग गई थी। उस समय भी आग की जानकारी समय रहते मिल गई थी जिससे एक बड़ा हादसा टल गया था। उस विमान में 282 यात्री, 10 फ्लाइट अटेंडेंट और दो पायलट सवार थे और उसमें भी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी। यह घटनाएं विमानों के रखरखाव और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल खड़े कर रही है लेकिन पायलटों की सूझबूझ और त्वरित बचाव दल की कार्रवाई से बड़े हादसों को टाला जा सका।

भूकंप तेज झटकों से थर्राया रूस, कामचातका में सुनामी की चेतावनी

भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई

मॉस्को। रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में रविवार को तेज भूकंप के झटकों ने दहशत फैला दी। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई है। इसके बाद प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कामचातका प्रायद्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। इस भूकंप का केंद्र पेत्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की शहर से 144 किलोमीटर पूर्व में समुद्र में 20 किलोमीटर की गहराई में रहा। इस शहर की आबादी लगभग 1.8 लाख है और भूकंप के झटकों से लोग घरों से बाहर निकल आए। इससे पहले उसी क्षेत्र में 6.7 तीव्रता का एक और भूकंप दर्ज किया गया था। भूकंप के झटके लगातार महसूस किए गए, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र (जीएफजेड) ने भी पुष्टि की है कि कामचातका तट के पास समुद्र में 6.6 और 6.7 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए। दोनों की गहराई 10 किलोमीटर मापी गई है। भूवैज्ञानिकों के अनुसार, भूकंप के तुरंत बाद तीव्रता में मामूली बदलाव संभव होता है। फिलहाल किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन भूकंप की तीव्रता और सुनामी की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है।

जंग से परेशान हुए जेलेंस्की, रुस की तरफ बढ़ाया सीजफायर के लिए हाथ

-कहा- लंबे समय की शांति स्थापित करने के लिए आधिकारिक बैठक जरूरी

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के कई हिस्सों पर रूस के हमलों के बाद अब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बदले नजर आ रहे है। जेलेंस्की ने रूस से सीजफायर के लिए हाथ बढ़ाया है। जेलेंस्की का कहना है कि वह अगले हफ्ते युद्धविराम पर बातचीत कर सकते हैं। दरअसल यूक्रेन के विदेश मंत्री ने जेलेंस्की को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें कई मुद्दे शामिल हैं। जेलेंस्की का कहना है कि उनकी सरकार अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों पर भी तेजी से काम कर रही है।

बता दें शनिवार को देश को संबोधित करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि रूस फैसला लेने से कतरा रहा है। सीजफायर करवाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। लंबे समय की शांति स्थापित करने के लिए एक आधिकारिक बैठक जरूरी है। हाल ही में यूक्रेन ने पूर्व रक्षा मंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद का दारोमदार सौंपा है। उन्हीं की अगवाई में रूस और यूक्रेन के बीच सीजफायर की बात शुरू हुई है। हालांकि, दोनों देशों के बीच पहले दौर की बातचीत विफल रही थी।

सीजफायर की शर्त में रूस ने यूक्रेन के सामने कई बड़ी मांगें रखी हैं, जिसमें रूस के द्वारा कब्जा किए गए यूक्रेन के 4 क्षेत्रों को भी सौंपने की बात कही थी। यूक्रेन ने रूस की सभी मांगों को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को सीजफायर के लिए 50 दिन का समय दिया है। ट्रंप का कहना है कि अगर 50 दिन के अंदर रूस सीजफायर नहीं करता है तो उसे 100 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। साथ ही रूस से व्यापार करने वाले देशों पर भी 500 फीसदी का टैरिफ लगा दिया जाएगा।

2 अगस्त 2027 को दुनिया के कई देशों में छा जाएगा अंधेरा

-100 साल बाद पड़ेगा पूर्ण सूर्यग्रहण, भारत में नहीं आएगा नजर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पूर्ण सूर्य ग्रहण 2027 में लगेगा, जिसे सदियों में एक बार लगने वाला ग्रहण कहा जा रहा है। यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और अरब के कुछ हिस्सों में 2 अगस्त, 2027 को ये दुर्लभ पूर्ण सूर्यग्रहण दिखाई देगा। इस ग्रहण की खास बात इसका समय होगा। यह सूर्य ग्रहण 6 मिनट 23 सेकंड तक रहेगा। इससे यह करीब 100 साल का सबसे लंबा चलने वाला सूर्य ग्रहण होगा।

जानकारी के मुताबिक 2 अगस्त, 2027 का सूर्य ग्रहण खास होगा। दुनिया के बड़े हिस्से के लिए इस दौरान सूर्य आंखों से पूरी तरह ओझल हो जाएगा। दुनिया करीब छह मिनट के लिए अंधेरे में डूब जाएगी। यह सैकड़ों सालों के इतिहास का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण होगा। अभी तक इतिहास का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण 743 ईसा पूर्व हुआ था, जब 7 मिनट 28 सेकंड के लिए अंधेरा छा गया था। 2 अगस्त, 2027 में होने वाला सूर्य ग्रहण का पूर्ण पथ 275 किलोमीटर चौड़ा है। ऐसे में यह कई महाद्वीपों को कवर करेगा। अफ्रीका के ज्यादातर देशों से इसे देखा जा सकेगा। यह सूर्य ग्रहण अटलांटिक महासागर से शुरू होकर जिब्राल्टर जलडमरूमध्य, दक्षिणी स्पेन, उत्तरी अफ्रीका से अरब प्रायद्वीप तक जाएगा। हालांकि हिंद महासागर के ऊपर यह धुंधला नजर आएगा। यह पूर्ण सूर्य ग्रहण सबसे पहले दक्षिणी स्पेन, जिब्राल्टर और मोरक्को में दिखाई देगा। इसके बाद अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया और मिस्त्र में सूर्य ग्रहण तब होगा, जब वह आकाश में अपने उच्चतम बिंदु पर होगा। मिस्त्र के बाद सूर्य ग्रहण लाल सागर को पार करते हुए सऊदी अरब, यमन और सोमालिया में अंधेरा कर देगा। स्पेन के काडिज और मलागा शहरों में चार मिनट से ज्यादा तक पूरी तरह से अंधेरा छा जाएगा।

2 अगस्त, 2027 का सूर्यग्रहण भारत और आसपास के देशों में दिखाई नहीं देगा। ऐसे में भारतीयों को निराशा हो सकती है। लीबिया का बेंगाजी इस सूर्य ग्रहण को देखने के लिए एक अच्छा स्थान होगा। मिस्त्र के ऐतिहासिक शहर लक्सर के पास छह मिनट तक घना अंधेरा रहेगा। इटली का लैम्पेडुसा द्वीप करीब पूरी तरह से ढका रहेगा। सऊदी अरब के जेद्दा और मक्का, यमन और सोमालिया के कुछ हिस्से ग्रहण देखने वाले अंतिम स्थान होंगे। एक्सपर्ट का कहना है कि 2027 के बाद इस तरह का सूर्य ग्रहण शायद 2114 में नजर आएगा।

सर्वे पढ़कर पीएम मेलोनी के उड़ गए होश-युवाओं ने साफ कहा हम नहीं लड़ेंगे जंग

रोम, (एजेंसी)। इटली को लेकर माना जा रहा है कि आने वाले 5 सालों में संभवतः उसे युद्ध लड़ना पड़े। ऐसी ही आशंकाओं के चलते इटली में एक सर्वे कराया गया। जिसमें 39 फीसदी युवा खुद को 'पैसिफिस्ट कॉन्शियंसियस्ट ऑब्जेक्टर' कहना पसंद किया हैं, यानी वे किसी भी हाल में हथियार नहीं उठाना चाहते। 19 फीसदी ऐसे हैं जो सेना में भर्ती से बचने के लिए वैकल्पिक रास्ते ढूंढने के पक्ष में हैं। जबकि 16 प्रतिशत युवा ऐसे हैं जो वाकई युद्ध में हिस्सा लेने को तैयार हैं। यह इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी के लिए चिंता वाली बात है। यह डेटा ऐसे समय में आया है जब रूस-यूक्रेन में युद्ध चल रहा है। एक ताजा सर्वे में खुलासा हुआ है कि हर तीन में से एक इटालियन नागरिक को डर है कि उनके देश को अगले पांच साल में किसी जंग का सामना करना पड़ सकता है। यह डेटा ऐसे समय में आया है जब रूस-यूक्रेन में युद्ध चल रहा है। 'सेंटर फॉर सोशल इन्वेस्टमेंट स्टडीज' की रिपोर्ट में बताया गया है कि इटली की युवा पीढ़ी जो सोशल मीडिया, कला, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर ज्यादा फोकस रखती है अब 'शांति' को प्राथमिकता दे रही है। 39 फीसदी युवा खुद को 'पैसिफिस्ट कॉन्शियंसियस्ट ऑब्जेक्टर' कहना पसंद करते हैं, यानी वे किसी भी हाल में हथियार नहीं उठाना चाहते। 19 फीसदी ऐसे हैं जो सेना में भर्ती से बचने के लिए वैकल्पिक रास्ते ढूंढने के पक्ष में हैं। 26 प्रतिशत लोग मानते हैं कि युद्ध की स्थिति में इटली को विदेशी सैनिकों की मदद लेनी चाहिए। यानी अब इटली में एक पीढ़ी है जो संघर्ष से नहीं, संवाद से समाधान चाहती है। इसके अलावा पिछले दस सालों में इटली ने अपने रक्षा बजट में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। लेकिन सिर्फ 26 प्रतिशत नागरिकों को लगता है कि हथियारों से शांति आ सकती है। वहीं, 74 प्रतिशत लोग इस विचार को पूरी तरह नकारते हैं। इटली का प्रति व्यक्ति रक्षा खर्च 586 अमेरिकी डॉलर है, जो यूरोपीय औसत से कम है। उदाहरण के तौर पर ग्रीस 686 डॉलर खर्च करता है।

खाना लेने पहुंचे फलस्तीनियों पर इजराइली सेना ने बरसाईं गोलियां, 32 की मौत

-नाकाबंदी हटाने के बाद भी इजराइल खाद्य सहायता पर पाबंदियां जारी रखीं

गाजा (एजेंसी)। गाजा में खाने की तलाश में निकले फलस्तीनी नागरिकों पर शनिवार तड़के इज़राइली सैनिकों ने गोलियां बरसाईं, जिसमें कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई। ये घटना गाजा के दक्षिणी हिस्से खान यूनुस और रफा के पास हुई, जहां लोग अमेरिका और इजराइल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन की मदद केंद्रों पर खाना लेने पहुंचे थे। रात के अंधेरे में इजराइली सैनिकों ने भूखे लोगों की जिंदगियों पर कहर बरसा दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक गोलीबारी उस वक्त शुरू हुई जब लोग खाना लेने वहां गए थे, जहां पहले ही चेतावनी दी जा चुकी थी कि सुबह से पहले न आएं। बावजूद इसके भूख से बेहाल लोगों की भीड़ वहां पहुंच गई और उसके बाद जो हुआ, उससे पूरी दुनिया हैरान और दुखी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक चश्मदीद ने बताया कि वह सब पैदल चल रहे थे, तभी इजराइली टैंकों और ड्रोन से उन लोगों पर फायरिंग की गई। एक अन्य शख्स ने बताया कि फायरिंग सुबह 5 से 6 बजे के बीच हुई। इजराइली सेना ने खाना लेने आए लोगों को चारों तरफ से घेर लिया था, कोई भाग नहीं सकता था। खान यूनुस के नासिर अस्पताल में 25 शव लाए गए। वहीं रफा के पास शकूश इलाके में 7 और लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अस्पताल में दवाइयों की भारी कमी है। वहीं जीएचएफ त्नास्न ने कहा कि घटना उनकी साइट्स के पास नहीं हुई और उन्होंने पहले ही लोगों से रात में आने से मना किया था। वहीं इजरायली सेना का कहना है कि चेतावनी देने के बाद उन्होंने गोलियां चलाईं, लेकिन उन्होंने जगह का जिक्र नहीं किया।

बता दें अक्टूबर 2023 में हमास की ओर से इजराइल पर हमले के बाद यह युद्ध शुरू हुआ था, जिसमें अब तक गाजा में 58 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि इजराइल का कहना है कि हमास के पास उसके अभी भी 50 बंधक हैं। शांति वार्ता कतर में चल रही हैं लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजे सामने नहीं आए हैं। गाजा में मानवीय त्रासदी बेहद भयावह होती जा रही है। 19 मई को आंशिक रूप से नाकाबंदी हटाने के बाद भी इजराइल ने खाद्य सहायता पर भारी पाबंदियां जारी रखी हैं। जुलाई में सामने आई रिपोर्टों के मुताबिक राहत शिविरों के पास 100 से ज्यादा लोगों की जान गई, काफिलों को रोका गया और 90 फीसदी गाजावासी गंभीर भुखमरी से जूझ रहे हैं। इस बीच तीन महीने के बच्चे की भूख और दूध न मिलने से मौत हो गई। गाजा में हालात इतने भयावह हैं कि लोग अब रेत में मिला हुआ आटा छान-छानकर खाने को मजबूर हैं।

वार्षिक साधारण सभा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को सुबह ग्यारह बजे से वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम के लखदातार हॉल में किया गया। सभा की शुरुआत में बाबा श्याम के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। इसके पश्चात ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम द्वारा स्वागत भाषण देकर सभी का स्वागत किया गया। उन्होंने मंदिर के भावी प्रकल्पों एवं योजनाओं को विस्तार से बताया। सभा में ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका द्वारा गत वर्ष में किए गए कार्यों की रिपोर्ट पेश की गई एवं कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल द्वारा गत वर्ष के आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। सभा में ट्रस्ट के पूर्व सचिव सुशील गाड़ोदिया द्वारा एलईडी के माध्यम से नए निर्माण का प्लान समझाया गया। सभा में मंच का संचालन शिवप्रसाद पोद्दार द्वारा किया गया।

सभा में ट्रस्टी कुंजबिहारी सुल्तानियां ने सुझाव दिया कि नए प्रोजेक्ट के निर्माण में बहुत समय लगेगा। इसके लिए एक अलग से निर्माण समिति बनाना चाहिए जो निर्माण पूरा होने तक कार्य करेगी। सदन द्वारा सर्वसम्मति से इसे पारित किया गया। इसके अलावा अनेकों सदस्यों द्वारा दिए सुझावों पर भी चर्चा की गई। सभा का समापन पूर्व अध्यक्ष रामप्रकाश रुंगटा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन देकर किया गया। आयोजन में सभी भक्तों के लिए राजभोग प्रसाद की व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा की गई थी। इस मौके पर ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश तोदी, उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला, वसंत अग्रवाल, सहसचिव दिनेश अग्रवाल, ओम सिहोटिया, सहकोषाध्यक्ष रामावतार सिहोटिया, राजेश अग्रवाल सहित अनेकों संस्थाओं के पदाधिकारी, शहर के अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

बांग्लादेश में कई संगठनों के सदस्यों ने सड़कों पर लगाए 'जिहाद' के समर्थन में नारे

-इन संगठनों को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते किया था बैन

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में आवामी लीग सरकार के पतन के बाद उग्रवादी और प्रतिबंधित संगठनों की गतिविधियां एक बार फिर से दिखाई देने लगी हैं। शुक्रवार को ढाका में हिज्ब उत-तहरीर, विलायाह बांग्लादेश, अंसार अल-इस्लाम और जमात-ए-इस्लामी जैसे इस्लामी जिहादी संगठनों के सदस्यों ने 'जिहाद' के समर्थन में नारे लगाए और खुद को ÷जिहादी÷ बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्ववर्ती आवामी लीग सरकार के दौरान इन संगठनों को देशव्यापी बम धमाकों और आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता के चलते प्रतिबंधित किया गया था। कागजों में ये संगठन अब भी प्रतिबंधित हैं, लेकिन ये खुलेआम स्लोगन और पोस्टर के जरिए से सक्रिय हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सैकड़ों ऐसे लोग जिन्हें आतंकवाद से जुड़े मामलों में आरोपी बनाया गया था, उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया है। जेल विभाग के मुताबिक अब तक 300 से ज्यादा जिहादी जेल से बाहर आ चुके हैं, जिनमें कई को उम्रकैद की सजा भी सुनाई गई थी।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इन जिहादी समूहों के सदस्य ढाका के कई जिलों से आए थे और उन्होंने जिहाद चाहिए, जिहाद से जीना है, नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर, कौन हैं हम? मिलिटेंट, मिलिटेंट जैसे नारे लगाए। पिछले 11 महीनों में सिर्फ जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश से जुड़े 148 आरोपी जमानत पर रिहा किए गए हैं। इनमें कई नाम पूर्व सरकार द्वारा चिन्हित आतंकी संगठनों जैसे हर्कत-उल-जिहाद, अंसारुल्लाह बांग्ला टीम, हिज्ब उत-तहरीर, हमजा ब्रिगेड से जुड़े रहे हैं। अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के प्रमुख माने जाने वाले मुफ्ती जसीमुद्दीन रहमानी को भी सत्ता परिवर्तन के बाद जमानत मिली।

इसी बीच जमात-ए-इस्लामी शनिवार को ढाका में सुहरावर्दी उद्यान में एक राष्ट्रीय रैली का आयोजन किया। शुक्रवार से ही पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक राजधानी में इकट्ठा हो गए थे। कई स्थानों पर पारंपरिक कपड़ों में तो कुछ सफेद टी-शर्ट पहनकर नजर आए, जिन पर लिखा था पहला वोट लूटेरों के खिलाफ, वोट दो तराजू को।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)